RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:193 ता. 28 जनवरी 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

आगरा में एलपीजी टैंकर पलटा, पांच घंटे तक हाइवे रहा जाम

भयभीत लोग घर छोड़कर भाग गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाला। आनन फानन में बिजली आपूर्ति बंद कराई ।

आगरा। आगरा में बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे एत्मादपुर के बरहन तिराहे पर हाइवे में मथुरा रिफाइनरी से फर्रुखाबाद जा रहा एलपीजी टैंकर पलट गया। इसके बाद तेजी से गैस का रिसाव होने लगा। इसकी गंध आधा किलोमीटर तक फैल गई। भयभीत लोग घर छोड़कर भाग गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाला। आनन फानन में बिजली आपूर्ति बंद कराई । इस दौरान बीड़ी-सिगरेट न पीने और माचिस न जलाने की मुनादी की गई। पांच घंटे तक एत्मादपुर में हाइवे पर गैस रिसती रही और छह किलोमीटर तक जाम लग गया। पुलिस के मुताबिक यह टैंकर बिजली का खंभा तोड़ते हुए पलट गया। टैंकर में 20 हजार लीटर एलपीजी थी। गैस रिसाव से लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मदद के लिए फायर ब्रिगेड को भी बुलाया। रात पौने 12 बजे मथुरा रिफाइनरी के इंजीनियर भी पहुंच गए।टैंकर को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई। लेकिन, सांस लेने में तकलीफ के चलते टैंकर को सीधा नहीं किया जा सका। ऐसे में गैस के खत्म होने तक इंतजार किया गया। टैंकर चालक करीम मुल्ला का कहना है कि अचानक टैंकर की स्टीयरिंग फेल हो गई। इस कारण टैंकर खंभे से टकराता हुए पलट गया। उसने फौरन उच्च अधिकारियों को सूचना दी। पुलिस का कहना है कि गैस रिसाव न रुकने पर हाइवे पर यातायात रोक दिया गया। रात 12 बजे तक एत्मादपुर से टुंडला तक जाम था। एत्मादपुर से छलेसर तक वाहनों की लाइन लगी थी। मार्ग परिवर्तन किया गया तो कुबेरपुर और खंदौली के बीच जाम लग गया।

पीएम मोदी आज एनसीसी पीएम रैली को करेंगे संबोधित

19 देशों के 196 अधिकारी और कैडेट समारोह में होंगे शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 जनवरी को नई दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। वसुधैव कुटुम्बकम की सच्ची भारतीय भावना के तहत कुल19 देशों के 196 अधिकारियों और कैडेट को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। मालूम हो कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) इस वर्ष अपनी स्थापना का 75वां वर्ष मना रहा है।

रैली में होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी एनसीसी के 75 वर्ष पूरा होने के मौके पर 75 रुपये मूल्य का एक स्मारक सिक्का भी जारी करेंगे। पीएमओ द्वारा दी गई जानकारी में कहा गया है कि इस रैली में एक भारत श्रेष्ठ भारत विषय पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा। मालूम हो कि पीएम मोदी ने बुधवार को नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा, आप युवा हैं, यह आपके लिए भविष्य बनाने का समय है। आप नए विचारों और नए मानकों के निर्माता हैं। आप नए भारत के अग्रदूत हैं।

देश में हो रहे बदलावों के प्रति खुद को रखें जागरूक-अपनी विरासत पर गर्व और गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के संकल्प का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इन संकल्पों में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया। भविष्य के लक्ष्यों और संकल्पों को देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए मोदी ने कहा कि वर्तमान के प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर समान रूप से जोर देना होगा। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे देश में हो रहे बदलावों के प्रति खुद को जागरूक रखें और चलाए जा रहे अभियानों में उत्सुकता से भाग लें।

स्वच्छ भारत अभियान को जीवन के मिशन के रूप में लें युवा

स्वच्छ भारत अभियान का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के प्रत्येक युवा को इसे जीवन के मिशन के रूप में लेना चाहिए और अपने इलाके, गांव, कस्बों और शहरों को साफ रखने की दिशा में काम करना चाहिए। इसी तरह उन्होंने उन्हें अमृत महोत्सव के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों पर कम से कम एक किताब पढ़ने के लिए कहा।

जिस दावे से सत्ता पर हक जता रहे थे सचिन पायलट, गहलोत ने एक झटके में किया खारिज

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डेप्युटी सीएम सचिन पायलट के बीच एक और मुद्दे पर टकराव बढ़ गया है। एक तरफ जहां सचिन पायलट 2018 में कांग्रेस को मिली जीत का क्रेडिट लेते हुए सत्ता पर अपनी दावेदारी जता रहे थे तो अब गहलोत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। अशोक गहलोत ने पायलट को जवाब देते हुए कहा कि राज्य में कांग्रेस की 2018 में सत्ता में वापसी उनके पिछले कार्यकाल में किए गए काम के कारण हुई। गहलोत ने इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में 156 सीटें जीतने का लक्ष्य भी रखा। लंबे समय से गहलोत के साथ सत्ता की खींचतान में फंसे पायलट बार-बार यह कहते रहे हैं कि 2013 से 2018 तक जब वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे उस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के संघर्ष के कारण कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई। पायलट कहते हैं कि कांग्रेस विधायकों की संख्या जो 2013 में घटकर 21 रह गई थी, पार्टी आलाकमान ने उन्हें प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रमुख बनाया और उन्होंने 5 साल तक बहुत मेहनत की। गहलोत ने पायलट का नाम लिए बिना कहा कि 2013 की हार काफी हद तक मोदी लहर के कारण हुई थी, लेकिन राज्य में भाजपा सरकार के छह महीने के कार्यकाल में लोगों को अपनी गलती का एहसास हो गया था। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के बाद सवाई मानसिंह स्टेडियम पर संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा, वो जो माहौल बनता है, वो भी एक बड़ा कारण होता है सरकार वापस आने का। बाकी कारण तो होते ही हैं हमारे कार्यकर्ता, हमारी पार्टी संघर्ष करती है, सड़कों पर उतरती है। हालांकि, (जनता के) दिमाग में था कि पिछली बार हमने 2013 में सरकार बदलकर गलती कर दी और इसीलिए इस बार पहले ही हवा बन गई थी कि सरकार आनी चाहिए और अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनना चाहिए।%

भाजपा नेता ने परिवार सहित जहरीला पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या की

विदिशा। मध्यप्रदेश के विदिशा जिला मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने पत्नी और दो बच्चों के साथ जहरीला पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर ली है। वे अपने दोनों बेटों की लाइलाज बीमारी को लेकर परेशान थे। खुदकुशी से पहले उन्होंने फेसबुक पर मार्मिक पोस्ट भी डाली थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार कल शाम भाजपा नेता संजीव मिश्रा अपने घर पर परिवार के साथ थे। खुदकुशी से कुछ समय पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर मार्मिक पोस्ट भी डाली थी। इसके बाद उन्होंने दरवाजा बंद कर परिवार के साथ जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में दोनों बच्चों और पति-पत्नी को जिला अस्पताल लाया गया। जहां पहले दोनों बेटों और बाद में संजीव मिश्रा, फिर उनकी पत्नी ने दम तोड़ दिया।

संजीव मिश्रा भाजपा के दुर्गानगर के मंडल उपाध्यक्ष और पूर्व पार्षद थे।

कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने कहा कि संजीव मिश्रा के बच्चों को लाइलाज बीमारी थी। जैसा उन्होंने अपने सुसाइड नोट में लिखा है 'मैं बच्चों को नहीं बचा पा रहा हूं, मैं अब नहीं रहना चाहता'। उन्होंने दरवाजा बंद करके सल्फास खा लिया। फेसबुक में डाली पोस्ट देखकर लोगों ने पुलिस को जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा तुड़वाया और सभी को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गयी।

कैसे हो अदालतों में जजों की नियुक्ति? कॉलेजियम बनाम केंद्र के बीच क्या बोली जनता

नई दिल्ली। भारत में जजों की नियुक्ति को लेकर हमेशा से बहस छिड़ी हुई है। कार्यपालिका या फिर न्यायपालिका जजों की नियुक्ति किसकी जिम्मेदारी होनी चाहिए इसे लेकर देशभर में लोगों को अलग अलग मत है। हाल ही में एक सर्वे के सैंपल में 38 प्रतिशत लोगों ने बताया है कि जजों की नियुक्ति के लिए मौजूदा सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम सिस्टम ही जारी रहे। कम से कम 31 प्रतिशत लोगों ने कहा कि कार्यपालिका और न्यायाधीशों दोनों को न्यायाधीशों की नियुक्ति करनी चाहिए। दूसरी ओर, 19 प्रतिशत जवाब देने वालों ने कहा कि केवल कार्यकारियों को ही निर्णय लेना चाहिए।

इस रिपोर्ट के लिए कुल 1,40,917 लोगों ने मत का योगदान दिया है।

जजों की नियुक्ति को लेकर हमेशा से सरकार और न्यायपालिका के बीच तनातनी है। उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों का चयन उनके सहयोगियों की तरफ से कॉलेजियम प्रणाली के माध्यम से किया जाता है। ट्रांसपेरेंसी के अभाव में प्रक्रिया की आलोचना होती रहती है।

● हाल ही में एक सर्वे के सैंपल में 38 प्रतिशत लोगों ने बताया है कि जजों की नियुक्ति के लिए मौजूदा सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम सिस्टम ही जारी रहे।

कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कई मौकों पर कॉलेजियम प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह संविधान से अलग है और संसद के माध्यम से व्यक्त की गई लोगों की इच्छा को कमजोर कर दिया गया है।

अटकलें लगाई जा रही थी कि कानून मंत्री ने सीजेआई चंद्रचूड़ को न्यायाधीशों के चयन की प्रक्रिया में एक सरकारी प्रतिनिधि को शामिल करने का सुझाव देने के लिए लेटर लिखा था. हालांकि, किरेन रिजिजू ने ऐसे दावों का खंडन किया। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने इन दावों का खंडन किया कि सरकार ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम में सरकारी नॉमिनेशन को शामिल करने का सुझाव देते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा था। कानून मंत्री ने सोमवार को कहा कि इन बयानों का कोई सिर नहीं और कोई सच्चाई नहीं है।

बीबीसी की बैन डॉक्युमेंट्री पर दिल्ली से लेकर केरल तक बवाल

नई दिल्ली। गुजरात दंगों को लेकर बनी बीबीसी की डाक्युमेंट्री इंडिया द मोदी क्वेश्चन को लेकर विवाद थम नहीं रहा है। विवादित डॉक्युमेंट्री पर प्रतिबंध के बावजूद विभिन्न राज्यों और यूनिवर्सिटी में इसकी सक्रीनिंग कराई जा रही है। दिल्ली से केरल तक डॉक्युमेंट्री को लेकर बवाल हो रहा है। हैदराबाद यूनिवर्सिटी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) और जामिया यूनिवर्सिटी में भी इसको लेकर जमकर हंगामा हुआ।

जेएनयू में बवाल-केंद्र सरकार बीबीसी की विवादित डॉक्युमेंट्री पर प्रतिबंध लगा चुकी है। इसके बावजूद बीते गुरुवार को इसकी स्क्रीनिंग जेएनयू में कराई गई थी। आरोप है कि इस दौरान बिजली काट दी गई और इटरनेट सेवा बाधित की गई। इसके विरोध में छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) ने प्रदर्श किया। प्रदर्शन में वामपंथी छात्र संगठन वामपंथी दल स्टूडेंट्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआई) और आइसा के सदस्य शामिल रहे। इस दौरान जमकर बवाल हुआ। जेएनयू प्रशासन इसकी स्क्रीनिंग पर पहले ही रोक लगा चुका था। डाक्युमेंट्री देख रहे छात्रों ने आरोप लगाया कि उन पर एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने पत्थर फेंके। हालांकि, एबीवीपी ने इससे इन्कार किया है। जेएनयू छात्र संघ के नेतृत्व में वामपंथी छात्रों ने पत्थरबाजी की घटना एफआईआर दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन की ओर पैदल मार्च भी किया। एसएफआई ने गणतंत्र दिवस पर हैदराबाद यूनिवर्सिटी में विवादित डाक्युमेंट्री दिखाई। इसके जवाब में एबीवीपी ने द कश्मीर फाइल्स फिल्म दिखाई। हैदराबाद यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार देवेश निगम ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था के मुद्दे को देखते हुए डीन-स्टूडेंट्स वेलफेयर ने छात्रों के समूहों की काउंसलिंग की है। उन्होंने कहा कि कैंपस में शांति बनाए रखने के लिए और फिल्मों की स्क्रीनिंग करने से रोका गया है।

दिल्ली-यूपी में बारिश, उत्तर भारत के इन राज्यों में कोहरा बनेगा परेशानी

नई दिल्ली। दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ राज्यों में कोहरा और बारिश की संभावना बनी हुई है। इन राज्यों में बारिश 28-30 जनवरी के बीच होने की संभावना है। 28 से शुरू होकर 29 जनवरी को बारिश के तेज होने के आसार नजर आ रहे हैं।

राजधानी दिल्ली समेत यूपी के पश्चिमी इलाकों में बारिश और बादल छाए रहने की वजह पारा लुढ़का हुआ नजर आएगा। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री दर्ज किया जाएगा। वहीं उत्तर भारत के राज्यों के साथ-साथ दिल्ली में बारिश के आसार नजर आ रहे है। यहां 28 से 29 जनवरी को बारिश होने के आसार हैं।

बारिश की संभावना और बादल छाए रहने की वजह से उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में 28 जनवरी तक 3 से 5 डिग्री की गिरावट होने के आसार नजर आ रहे हैं। वहीं बारिश के बाद आने वाले दिनों तापमान 3 से 5 डिग्री बढ़ जाने के संकेत हैं। मध्य प्रदेश में 28 जनवरी तक तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की जा सकती हैं। महाराष्ट्र के अन्य इलाकों में मौसम में किसी तरह का बदलाव नहीं देखा जाएगा।

उत्तर-पश्चिम भारत में कैसे रहेगा मौसम

भारत के उत्तर पश्चिम राज्यों - राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों कोहरे और शीतलहर के आसार नजर आ रहे हैं। पंजाब के सुदूर इलाकों में शीतलहर से छुटकारा नहीं मिलने वाला। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ घना कोहरा नजर आ सकता है।

यूपी के बारिश और छाया रहेगा कोहरा

यूपी के अन्य इलाकों में सुबह-शाम कोहरा नजर आने की संभावना जताई जा रही है। राजधानी लखनऊ में आज न्यूनतम तापमान 11 और अधिकतम 24 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। उत्तर भारत के राज्यों की तरह यूपी में भी 29 जनवरी को बारिश के आसार नजर आ रहे हैं।

पहाड़ी राज्यों के मौसम का हाल

पहाड़ी राज्यों की बात करें तो हिमाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले 48 घंटों तक घने कोहरे छाए रहने का पूर्वानुमान है।

कांग्रेस को निराश न कर दे 'भारत जोड़ो' यात्रा, विपक्षी नेता की रेस में भी पिछड़े राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा अंतिम दौर में है। अब सवाल है कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में जारी करीब 3500 किमी की यह यात्रा कांग्रेस के लिए कितनी मददगार होगी? हाल ही में हुए एक सर्वे में पता लगा है कि यात्रा से कांग्रेस को चुनाव जीतने में खास मदद नहीं मिलेगी। वहीं, विपक्षी नेतृत्व के तौर पर भी लोगों ने राहुल को नकार दिया है।

पहले भारत जोड़ो यात्रा का असर समझें

सर्वे में खुलासा हुआ है कि 37 फीसदी लोगों का मानना है कि यात्रा ने माहौल बनाने में मदद तो की है, लेकिन यह चुनाव जीतने में मददगार नहीं होगी। 29 फीसदी लोगों का मानना है कि बड़े स्तर पर लोगों से जुड़ने का यह अच्छा रास्ता है। जबकि, 13 प्रतिशत लोग मानते हैं कि यह केवल राहुल की छवि को दोबारा तैयार करने की कोशिश है। 9 फीसदी का मानना है कि यात्रा से कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होगा।

सर्वे में 1 लाख 40 हजार 917 लोगों के जवाब दर्ज किए गए थे। साथ ही इस दौरान सीवोटर के 1 लाख से ज्यादा इंटरव्यू के जरिए भी जानकारी जुटाई गई थी।

विपक्ष का नेता कौन?

फिलहाल, देश में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी एकता की चर्चा है। हालांकि, नेताओं की तैयारियां जारी हैं, लेकिन अंतिम मुहर नहीं लग सकी है। इसी बीच एक सवाल लगातार बना हुआ है कि विपक्ष एकजुट हुआ, तो नेतृत्व कौन करेगा? सर्वे से पता चला है कि राहुल के मुकाबले जनता आम आदमी पार्टी प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ज्यादा पसंद कर रही है।

24 प्रतिशत लोगों का मानना है कि विपक्ष के नेतृत्व के लिए केजरीवाल सही नेता होंगे। वहीं, 20 फीसदी को पश्चिम बंगाल सीएम और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी में भरोसा है। केवल 13 प्रतिशत लोगों ने ही राहुल को विपक्ष के लिए उचित नेता माना।

कितना असरदार होगी विपक्षी एकता?-विपक्षी एकता बनाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिहाज से 2023 की शुरुआत भाजपा के लिए अच्छी साबित होती दिख रही है। 47 फीसदी लोगों का मानना है कि इससे मोदी सरकार को चुनौती नहीं मिलेगी। जबकि, 39 प्रतिशत पक्ष में हैं। खास बात है कि जनवरी 2022 में 49 प्रतिशत लोगों का मानना था कि विपक्षी एकता पीएम मोदी को चुनौती दे सकता है। उस दौरान 41 फीसदी इससे इनकार कर रहे थे।

अयोध्या का रिकॉर्ड तोड़ने की तैयारी में महाकाल लोक शिवराज तैयारी में जुटे

-महाशिवरात्रि पर 15 लाख 96 हजार से ज्यादा दीये जलाने की तैयार।

उज्जैन । मध्यप्रदेश के उज्जैन में महाशिवरात्रि पर शिवज्योति अपर्णम महोत्सव इस बार बेहद खास होने वाला है। महाकाल की नगरी में इस बार अयोध्या का रिकॉर्ड तोड़ने की तैयारी है। शिप्रा नदी किनारे रामघाट पर 18 लाख दीये जलाने का लक्ष्य रखा गया है। अयोध्या में दीपावली पर 15 लाख दीये जलाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया था। पिछले साल महाशिवरात्रि पर उज्जैन में 11 लाख 71 हजार दीपक जलाकर रिकॉर्ड कायम किया गया था। दीपावली पर अयोध्या में 15 लाख 96 हजार दीप जलाकर नया रिकॉर्ड बनाया गया। अब इस रिकॉर्ड को तोड़ गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अब बार फिर उज्जैन जगह बनाने की कोशिश में है। इस लेकर तैयारी को अंजाम दिया जा रहा है। दीपोत्सव में करीब 20 हजार वॉलियंटर काम करने वाले हैं। 50 हजार लीटर तेल कपूर और 25 लाख की रुई के साथ 4 हजार माचिस का इस्तेमाल किया जाएगा। दीपक जलाने में अनुमानित लागत 40 लाख रुपए के करीब है। इसके लिए नगर निगम उज्जैन ने 25 लाख दीपों के टेंडर निकाले हैं। दीये जलाने में तीन तरह का तेल (सरसों सोयाबीन और कपास) का इस्तेमाल होगा टेंडर में इन आवश्यक वस्तुओं का इस्तेमाल जाएगा जिसमे 50 हजार लीटर 25 लाख रुई की बत्ती 600 किलो कपूर के साथ ही 4 हजार माचिस के भी टेंडर निकाले हैं। सामाजिक संगठनों छात्र व्यापारी जन प्रतिनिधि निजी संस्था सहित अन्य लोगों की भी मदद ली जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि सीएम शिवराज सिंह चौहान की मंशा अनुसार इस बार भी महाशिवरात्रि पर्व को भव्य रूप में मनाना है। सीएम की इच्छा है कि उज्जैन शहर टूरिस्ट डेस्टिनेशन बने इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। महाशिवरात्रि पर्व को शिव दीपावली पर्व की तरह बनाया जाएगा। जनता से अपील की गई है कि 5 दीपक सभी लोग अपने घर और प्रतिष्ठानों में जलाएं। पूरे शहर को बिजली से रोशन कर चौराहे पार्क आदि जगह पर सजावट की जाएगी।

बैंगलोर पर 55 यात्रियों को छोड़कर उड़ान भरने के लिए गो फर्स्ट पर लगाया गया 10 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली । 9 जनवरी को 55 यात्रियों के बिना बैंगलोर से दिल्ली के लिए उड़ान भरने के बाद एयरलाइन ऑपरेटर गो फर्स्ट पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन ऑपरेटर गो फर्स्ट पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली गो फर्स्ट फ्लाइट जी8116 कथित तौर पर 55 यात्रियों के बिना उड़ान भरी थी। ये वो यात्री थे जिनके पास बोडिंग पास भी थे और उन्होंने अपना सामान भी चेक-इन कर दिया था लेकिन कथित तौर पर टरमैक पर फंसे हुए थे। इस घटना के बाद, डीजीसीए ने गो फर्स्ट के जवाबदेह प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किया और पूछा कि एयरलाइन के खिलाफ उनके नियामक दायित्वों के उल्लंघन के लिए प्रवर्तन कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। एयरलाइन ऑपरेटर ने बुधवार, 25 जनवरी को कारण बताओ नोटिस पर अपना जवाब प्रस्तुत किया। गो फर्स्ट द्वारा प्रस्तुत जवाब से पता चला कि विमान में यात्रियों को चढ़ाने के संबंध में टर्मिनल समन्वयक (टीसी), वाणिज्यिक कर्मचारियों और चालक दल के बीच अनुचित संचार और समन्वय था।

दिल्ली के अंबेडकर यूनिवर्सिटी में डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग में बिजली बंद की गई

नई दिल्ली । दिल्ली के अंबेडकर यूनिवर्सिटी में बीबीसी की डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग करने से रोकने के लिए प्रशासन ने बिजली बंद कर दी है जिसके विरोध में छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। कॉलेज के छात्र लैपटॉप में डाउनलोड करके डॉक्युमेंट्री देख रहे हैं। बता दें कि प्रशासन ने विवाद को बढ़ता देख कॉलेज के गेट भी बंद कर दिए है। हिंदू कालेज की स्टूडेंट फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआई) यूनिट ने बीती शाम बीबीसी डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग की थी। कालेज प्रशासन ने डॉक्युमेंट्री की कालेज परिसर में स्क्रीनिंग की अनुमति से इनकार कर दिया था जिसके बाद लगभग 50 छात्रों ने परिसर के बाहर स्थित एक फ्लैट की छत पर स्क्रीनिंग की। एसएफआई की हिंदू कॉलेज इकाई की सचिव रूशम ने कहा पिछले कुछ दिनों से हम अपने परिसरों में जो डॉक्युमेंट्री देख रहे हैं वह मोदी सरकार की अलोकतांत्रिक और निरंकुश खोज है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एसएफआई के छात्र कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और उन्हें लगभग एक दिन तक अवैध रूप से हिरासत में रखा गया जब उन्होंने बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री इंडिया- द मोदी क्वेश्चन को दिखाने की कोशिश की।

त्रिपुरा मेघालय में भाजपा के लिए बढ़ी चुनौतियां

नई दिल्ली । पूर्वोत्तर राज्यों में चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। त्रिपुरा मेघालय और नगालैंड में चुनावी समीकरण बदलने से भाजपा को चुनौती मिलना शुरू हो गई है। इसको देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता बचाने के लिए विरोधी दलों के वोटों के ध्रुवीकरण को रोकने की नई रणनीति तैयार करना पड़ रही है। त्रिपुरा में पूर्ण बहुमत की सरकार बचाने और मेघालय में भाजपा के सहयोगी रहे एनपीपी को मुकाबले में पराजित करने के लिए नई रणनीति तैयार की जा रही है। नागालैंड में भारतीय जनता पार्टी ने अपने सहयोगी गठबंधन एनडीपीपी की जूनियर सहयोगी के साथ रहने का फैसला किया है ।भाजपा यहां पर 60 में से 20 सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमत हो गई है। भाजपा ने 40 सीटें एनडीपीपी के लिए छोड़ दी हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में तीनों ही राज्यों की मौजूदा स्थिति को लेकर समीक्षा की गई त्रिपुरा में इस बार वामपंथी और कांग्रेस एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। त्रिपुरा में पिछली बार भाजपा ने जीत दर्ज कराई थी। इस बार भाजपा को पूर्वोत्तर राज्यों से कड़ी चुनौती मिल रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्ता विरोधी रुझान मिलने के कारण भाजपा की परेशानी इन राज्यों में बढ़ रही है। पूर्वोत्तर राज्यों में भाजपा ने जो नई रणनीति बनाई है उसके अनुसार विपक्षी दलों के वोटों का बंटवारा अधिक से अधिक हो। इसके लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं।

पंजाब को मिली बड़ी सौगात, खोले गए 400 नए मोहल्ला क्लीनिक, केजरीवाल ने कही गारंटी पूरी करने की बात

अमृतसर। (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एवं दिल्ली के उनके समकक्ष अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को 400 नये 'आम आदमी' क्लीनिक की शुरुआत की और इसे 'केजरीवाल की एक और गारंटी' को पूरा किया जाना बताया। इन 400 नये क्लीनिक के साथ ही पंजाब में 'आम आदमी' क्लीनिक की कुल संख्या बढ़कर 500 हो गयी है। इस मौके पर आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया केजरीवाल ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि पंजाब में महज 10 महीने में आप सरकार ने 500 मोहल्ला क्लीनिक शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए खुशी है कि भगवंत मान ने केजरीवाल की एक और गारंटी पूरी कर दी है। वह 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी द्वारा लोगों से किये गये वादों का जिक्र कर रहे थे।

केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में 500 मोहल्ला क्लीनिक खोले गये हैं तथा आने वाले समय में और ऐसे क्लीनिक खोले जायेंगे। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह और आप सांसद राघव चड्ढा भी इस मौके पर मौजूद थे।

केजरीवाल ने कहा कि पार्टी की सभी 'गारंटी' को पूरा किया जाएगा और उन्होंने पंजाब के लोगों से धैर्य रखने का आह्वान किया। उन्होंने पिछली सरकारों पर व्यवस्था को 'नष्ट कर देने' को लेकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि मान सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और वह भ्रष्टाचार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगी। मान सरकार की तारीफ करते हुए आप प्रमुख ने कहा कि महज 10 महीने में 26,000 सरकारी नौकरियां दी गयी हैं जो 'बड़ी बात' है। उन्होंने कहा कि अनुबंधित कर्मचारियों की नौकरी पक्की की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के मोर्चे पर मान सरकार 36 सरकारी विद्यालय के प्राचार्यों को प्रशिक्षण के लिए सिंगापुर भेज रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब भी दिल्ली की तर्ज पर घर पर सरकारी सेवाओं की आपूर्ति शुरू करने जा रहा है।

एसबीआई का अलर्ट हड़ताल से पहले अपना जरुरी काम निपटा लें

नई दिल्ली । एक फरवरी को बजट पेश होने से पहले बैंकों में लगातार 2 दिनों तक कामकाज नहीं होगा। इसके बाद अगर आपको बैंक से संबंधित कोई जरूरी काम है तब उस फटाफट निपटा लें। वरना आपको परेशानी होगी है। दरअसल 30 और 31 जनवरी यानी सोमवार और मंगलवार को बैंक कर्मचारी हड़ताल पर जाने वाले है। बैंक कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से बैंक ब्रांच का कामकाज प्रभावित हो सकता है। इस लेकर देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर बैंक एसबीआई ने कहा कि 30-31 जनवरी को यूनियन फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की बुलाई गई 2 दिनों की हड़ताल से उनकी ब्रांच में कामकार पर असर पड़ सकता है। बैंक कर्मचारियों की ये हड़ताल पूरे देश की बैंक ब्रांच के कर्मचारी शामिल होने वाले हैं। बेहतर होगा कि ग्राहक पहले ही अपना ब्रांच से जुड़ा काम निपटा लें।

दिग्विजय सिंह के बाद अब राशिद अल्वी ने उठाए सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल

-कहा- सरकार दिखाए वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक पर अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा करने के कुछ दिनों बाद, पार्टी के एक अन्य नेता ने सरकार से पाकिस्तान में आतंकी लॉन्च पैड के खिलाफ ऑपरेशन का वीडियो दिखाने के लिए कहा है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने गुरुवार को कहा कि अगर सरकार के पास सर्जिकल स्ट्राइक का वीडियो है तो उसे दिखाने में सरकार को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमें अपने सुरक्षा बलों पर भरोसा है, लेकिन भाजपा सरकार पर भरोसा नहीं कर सकते। सरकार का कहना है कि उसके पास (सर्जिकल स्ट्राइक का) वीडियो है, तो इसमें क्या गलत है कि दिग्विजय सिंह सरकार से इसे दिखाने के लिए कह रहे हैं? हम स्टाइक के सबूत नहीं मांग रहे हैं, लेकिन सरकार को वह वीडियो दिखाना चाहिए। अल्वी ने कहा कि 'मैं सर्जिकल स्ट्राइक की विश्वसनीयता पर सवाल नहीं उठा रहा हूं। मैं सत्ता में बैठे लोगों के विरोधाभासी दावों पर सवाल उठा रहा हूं। अमित शाह ने अलग-अलग नंबरों का दावा किया, जबकि योगी आदित्यनाथ ने सर्जिकल स्ट्राइक के संबंध में अलग-अलग दावे किए। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के मन में सेना के लिए सम्मान है।'

राहुल गांधी द्वारा दिग्विजय सिंह के बयानों को खारिज करने पर उनकी राय पूछे जाने पर अल्वी ने कहा, 'राहुल गांधी ने भी यही कहा है कि हमें सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत की जरूरत नहीं है। यहां तक कि दिग्विजय भी उनसे सहमत नहीं होंगे। सवाल यह है कि बीजेपी नेताओं के किस बयान पर भरोसा किया जाए। बीजेपी इस तरह से काम करती है कि सेना बीजेपी का विस्तार है। सेना देश की है, भाजपा की नहीं।

बंगाल के गवर्नर ने हेट खोरी में ममता के साथ मंच साझा किया भाजपा ने जताई नाराजगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को शुक्रवार को सरस्वती पूजा के मौके पर हेट खोरी में भाग लेने के चलते भाजपा के गुस्से का सामना करना पड़ा है। इस कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ मंच साझा किया था। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और लोकसभा सांसद दिलीप घोष ने राज्यपाल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इस तरह के ड्रामे में पड़ना राज्यपाल को शोभा नहीं देता।

घोष ने कहा मैं मानता हूं कि सभी को नई भाषा सीखने का प्रयास करना चाहिए लेकिन राज्यपाल को किसी भी ऐसे नाटक में शामिल नहीं होना चाहिए था। साथ ही हेट खोरी कार्यक्रम उन बच्चों के लिए है जो पढ़ना चाहते हैं। लेकिन राज्यपाल पहले से ही एक उच्च शिक्षित व्यक्ति हैं। मुझे लगता है कि उन्हें किसी के द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। गुरुवार को आमंत्रित किए जाने के बावजूद पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में ममता बनर्जी के साथ कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि हेट खोरी कार्यक्रम राज्य सरकार और मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षा क्षेत्र में घोटालों को छिपाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इन घोटालों के लिए पूर्व शिक्षा मंत्री सहित शिक्षा विभाग के कई अधिकारी सलाखों के पीछे हैं। घोष की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डॉ शांतनु सेन ने कहा राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच हालिया समन्वय भाजपा नेताओं की आंखों की चुभन बन गया है। उन्होंने कहा राज्य में भाजपा नेता जगदीप धनखड़ जैसे राज्यपालों के साथ सहज थे जिन्होंने उनके इशारे पर काम किया। गवर्नर हाउस-राज्य सरकार का समन्वय पूरे देश की परंपरा रही है। वर्तमान राज्यपाल उस परंपरा का पालन कर रहे हैं जिसने भाजपा नेताओं को नाराज कर दिया है।

अब एक फरवरी से नहीं चलेंगी 15 साल पुरानी पेट्रोल व 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियां

-जल्द कर की जाएंगी स्क्रैप नोएडा में पुरानी गाड़ियों पर कसेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्क्रैपीज पॉलिसी के तहत अब गौतमबुद्ध नगर में भी परिवहन विभाग ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। अब नोएडा और ग्रेटर नोएडा में एक फरवरी से 15 साल पुरानी पेट्रोल और 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियों को जब्त कर स्क्रैप किया जाएगा। इससे पहले एनजीटी के आदेश पर परिवहन विभाग ने बड़ी संख्या में पेट्रोल और डीजल गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया था। अब इन वाहनों को पकड़कर जब्त किया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से जारी स्क्रैपीज पॉलिसी में लोगों के दिलचस्पी न दिखाने के बाद परिवहन विभाग ने ये सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। परिवहन विभाग ने अब तक जिले में 1 लाख 19 हजार 612 ऐसे वाहनों का रजिस्ट्रेशन निरस्त किया है जो 15 साल पुराने हैं। अब इन्हें जब्त करने का विशेष अभियान चलाया जाएगा। विभाग ने इसके लिए 6 टीमें भी गठित की हैं। एआरटीओ सियाराम वर्मा ने बताया कि 15 साल पुरानी सभी गाड़ियों के मालिकों को नोटिस दो महीने पहले ही भेजा जा चुका है। ऐसे वाहन मालिकों को स्क्रैप पॉलिसी के तहत छूट या फिर परिवहन विभाग से एनओसी लेकर दूसरे राज्यों में जाने की छूट है।

हालांकि जिन लोगों को नोटिस भेजा गया उन लोगों ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई जिसके बाद अब इनकी गाड़ियों को जब्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिले में जिन पुराने वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई की जा रही है उनके नंबरों की सीरीज यूपी-16 से यूपी-16 जेड से शुरू होगी। जब्त किए गए वाहनों को डंपिंग पार्क में रखा जाएगा और इनके लिए स्क्रैप सेंटर फरवरी में ही शुरू कर दिया जाएगा। जब्त किए जाने वाले वाहनों में निजी के साथ ही सरकारी भी हैं। ये वे सरकारी वाहन हैं जिन्हें 15 साल से ज्यादा हो गए हैं। वर्मा ने बताया कि बीएस-1 और 2 के साथ ही यूरो-1 और 2 मॉडल्स को एनओसी नहीं जारी होगी।

शिंदे सरकार ने पलटा पूर्व की उद्धव सरकार का फैसला, मलाड़ स्थित पार्क में नहीं दिखेगा अब टीपू सुल्तान का नाम

मुंबई (एजेंसी)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने तत्कालीन उद्धव ठाकरे शासन के एक कदम को पलटने और मुंबई के मलाड इलाके के एक बगीचे से टीपू सुल्तान का नाम हटाने का फैसला किया है। मुंबई उपनगर जिला पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कलेक्टर को मलाड में टीपू सुल्तान के नाम पर बगीचे का नाम बदलने का आदेश दिया है। लोढ़ा ने ट्विटर पर लिखा ÷आखिरकार, दक्षिणपंथ की जीत! सकल हिंदू समाज के विरोध और डीपीडीसी की बैठक में गोपाल शेट्टी जी की मांग पर विचार करने के बाद मलाड में पार्क से टीपू सुल्तान का नाम हटाने का आदेश दिया। अगले साल एमवीए सरकार ने मैदान का नाम टीपू सुल्तान के नाम पर रखा था और हमें इसका विरोध करना पड़ा!

कुछ लोगों ने इसे टीपू सुल्तान बाग बताते हुए एक बैनर लगा दिया था और स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया था। पहली बार में इसे कभी भी औपचारिक रूप से नामित नहीं किया गया था। इसलिए मैंने अधिकारियों से जरूरी कार्रवाई करने और अवैध बैनर हटाने को कहा। उन्होंने कहा, ÷अगर इसका नामकरण किया जाना है, तो हम उचित प्रक्रिया का पालन करेंगे। वास्तव में कोई भी पार्क के साथ टीपू सुल्तान का नाम नहीं जोड़ना चाहता है। लोढ़ा ने कहा कि इसमें कोई राजनीति शामिल नहीं थी और उन्होंने टीपू सुल्तान के नाम पर पार्क का नाम रखने के विरोध में सड़कों पर उतरे लोगों की इच्छा का सम्मान किया था। बीजेपी अब सुझाव आमंत्रित कर रही है और बीआर अंबेडकर और अशफाकउल्ला खान जैसे नामों पर विचार चल रहा है।

इस बीच, राकांपा प्रवक्ता महेश भारत तापसे ने कहा कि कोई भी सरकार स्थानों के नाम बदलने या दूसरे के फैसलों को पलटने से लोकप्रिय नहीं हो सकती। सरकार ने अभी तक बगीचे के नए नाम का खुलासा नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक, यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि कर्नाटक जैसे पड़ोसी राज्यों में टीपू सुल्तान एक विवादित नाम है। पार्क के नामकरण का पहले भाजपा ने कथित तौर पर विरोध किया था।

भारत ने चीतों के लिए दक्षिण अफीका से करार किया, फरवरी में आएंगे 12 चीते

नयी दिल्ली। भारत ने मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में 12 चीतों के स्थानांतरण के लिए दक्षिण अफ्रीका के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। पर्यावरण मंत्रालय में एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि समझौते पर पिछले सप्ताह हस्ताक्षर किये गये और 15 फरवरी तक सात नर और पांच मादा चीतों के कुनो पहुंचने की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका के पर्यावरण विभाग ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि एक दशक तक हर साल 12 चीतों को भेजने की योजना है। भारत ने अभी तक इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। अधिकारी के मुताबिक, पिछले साल जुलाई से 12 दक्षिण अफ्रीकी चीते पृथक-वास में हैं और उनके इस महीने कुनो पहुंचने की उम्मीद थी लेकिन ''दक्षिण अफ्रीका में कुछ प्रक्रियाओं में समय लगने के कारण'' उनके स्थानांतरण में देरी हुई। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों को जल्द ही जानवरों के हस्तांतरण के लिए वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधी कन्वेंशन (सीआईटीईएस) के तहत एक निर्यात परमिट और एक प्रमाण पत्र प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि भारत ने सभी औपचारिकताओं को पूरा कर लिया है। वन्य जीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधीकन्वेंशन (सीआईटीईएस) एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है जिसका पालन राष्ट्र तथा क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण संगठन करते हैं।

नीतीश कुमार समाधान यात्रा निकाल रहे हैं पर अपनी पार्टी में मचे घमासान को नहीं थाम पा रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जद (यू) संसदीय बोर्ड के असंतुष्ट अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को सलाह दी है कि वे अपनी शिकायतों को मीडिया के माध्यम से उल्लेखित करना बंद करके उसे पार्टी मंच पर उठाएं। वहीं कुशवाहा का कहना है कि पार्टी मंच पर हमारी बात सुनी नहीं जा रही है। देखा जाये तो जनता दल युनाइटेड के दो बड़े नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपेंद्र कुशवाहा के बीच जुबानी जंग दिन ब दिन तीखी से तीखी होती जा रही है। वार-पलटवार का सिलसिला जारी है और दोनों नेता एक दूसरे को खरी-खरी सुनाने से परहेज नहीं कर रहे हैं। यह सब तब हो रहा है जब मुख्यमंत्री समाधान यात्रा निकाल रहे हैं लेकिन अपनी पार्टी और सत्तारुढ़ गठबंधन में मचे घमासान को नहीं थाम पा रहे हैं।

जहां तक नीतीश कुमार पर उपेन्द्र कुशवाहा की ओर से किये गये पलटवार की बात है तो आपको बता दें कि कुशवाहा ने मंगलवार को ट्वीट किया था, ''बड़ा अच्छा कहा भाई साहब आपने...! ऐसे बड़े भाई के कहने से छोटा भाई घर छोड़कर जाने लगे तब तो हर बड़का भाई अपने छोटका (छोटे भाई) को घर से भगाकर बाप-दादा की पूरी संपत्ति अकेले हड़प ले। ऐसे कैसे चले जाएं अपना हिस्सा छोड़कर....?'' इससे परोक्ष तौर पर अप्रसन्न प्रतीत हो रहे नीतीश कुमार ने कहा, ''उन्हें यह समझना चाहिए कि वह पार्टी से अलग होने के बाद तीसरी बार पार्टी में लौटे हैं, लेकिन उनके साथ सम्मान के साथ व्यवहार किया गया। यदि उन्हें कोई शिकायत है तो उन्हें वह पार्टी के भीतर जाहिर करना चाहिए। आपको अपने विचार मीडिया या सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक नहीं करने चाहिए।''

हम आपको बता दें कि उपेन्द्र कुशवाहा 2021 में अपनी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का विलय करके जद (यू) में लौट आए थे और उन्हें तुरंत पार्टी का शीर्ष पद दिया गया और कुछ ही समय बाद विधान परिषद की सदस्यता दी गई थी।

उधर, नीतीश कुमार द्वारा व्यक्त किए गए विचारों का समर्थन उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने किया। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने कहा, ''मैंने (कुशवाहा का) एक ट्वीट देखा और वह क्या कहना चाहते हैं, इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता। हालांकि मेरी भी राय है कि अगर वह अपनी पार्टी से संबंधित कोई भी मुद्दा उठाना चाहते हैं, तो उन्हें इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा नहीं लेना चाहिए।'' उल्लेखनीय है कि उपेन्द्र कुशवाहा की नाराजगी तब से स्पष्ट हो गई है जब नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव के अलावा किसी अन्य को उप मुख्यमंत्री बनाये जाने की संभावना को खारिज कर दिया था। तेजस्वी यादव को नीतीश कुमार ने वस्तुतः सत्तारुढ़ 'महागठबंधन' का भावी चेहरा घोषित किया है।

दूसरी ओर, जनता दल (यूनाइटेड) के संसदीय बोर्ड के बागी अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने मांग की है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के बीच कथित %सौदे% के बारे में सच सामने आना चाहिए और उन्होंने अफवाहों का दौर खत्म करने के लिए पार्टी की तत्काल बैठक की भी मांग की। विधान पार्षद उपेन्द्र कुशवाहा ने अपने आधिकारिक आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह जद (यू) सिर्फ इसलिए नहीं छोड़ देंगे, क्योंकि पार्टी के सर्वोच्च नेता नीतीश कुमार ने उनसे ऐसा करने के लिए कहा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा, ''मुख्यमंत्री कहते रहे हैं कि मैंने तीन बार पार्टी छोड़ी है और मैं अपनी मर्जी से वापस आया हूं। मुझे उन्हें अवश्य सही बताना चाहिए। मैं अलग हुआ हूं, लेकिन केवल दो बार लौटा हूं। मेरी पहली वापसी 2009 में हुई थी जब कुमार ने एक सार्वजनिक समारोह में मुझसे लौटने का अनुरोध किया था। वर्ष 2021 में मेरी वापसी फिर से असहाय कुमार के अनुरोध के बाद हुई थी, जो उस समय तक बहुत कमजोर हो चुके थे।'' राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) का विलय दो साल पहले जद (यू) में हुआ था। जद (यू) नेता ने नीतीश कुमार को विधानसभा के पटल पर तेजस्वी यादव द्वारा व्यक्तिगत अपमान की याद दिलाने की भी कोशिश की, जब तेजस्वी यादव विपक्ष के नेता थे।

कुशवाहा ने खुद का बचाव करते हुए कहा, ''मैं नीतीश कुमार की इच्छा के अनुसार पार्टी के मंच पर अपनी चिंताओं को उठाने के लिए तैयार हूं, बशर्ते मेरी एक बात मानी जाए।'' उन्होंने कहा, ''लंबे समय से मैं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाए जाने की मांग करता रहा हूं। हमारे पास चर्चा करने के लिए मुद्दे हैं। पार्टी कमजोर हो रही है। अफवाह यह है कि राजद के साथ किसी तरह का समझौता हुआ है। इस पर पार्टी फोरम में चर्चा होनी चाहिए।''

यह अनुमान लगाया जा रहा था कि बिहार की सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री भविष्य में किसी भी वक्त तेजस्वी यादव को सब कुछ सौंपकर अपनी ऊर्जा राष्ट्रीय राजनीति में लगाने को तैयार हो गये हैं। उपेन्द्र कुशवाहा ने आरोप लगाया, ''मेरे सामने एक ही विकल्प था- सीधे मुख्यमंत्री से बात करना। मैं दिसंबर के तीसरे हफ्ते में पार्टी की कमजोरियों को उजागर करने के लिए उनसे

मिला था। उन्होंने मुझे यह कहकर झिड़क दिया कि क्या मैं भाजपा से हाथ मिलाने के बारे में सोच रहा हूं।''

जद (यू) के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष ने नीतीश कुमार के बार-बार यह कहे जाने पर पर प्रतिक्रिया दी कि कुशवाहा ''जितनी जल्दी हो सके, जहां भी जाना चाहते हैं, जाने के लिए स्वतंत्र हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस संगठन के साथ अपने पिछले अवतार 'समता पार्टी' के साथ हूं। मैं सिर्फ इसलिए पार्टी नहीं छोड़ूंगा कि मुझे ऐसा करने के लिए कहा जा रहा है।''

इराकी कोर्ट ने सैनिकों की सामूहिक हत्या के लिए 14 आतंकवादियों को सुनाई मौत की सजा

बगदाद। इराक की एक अदालत ने 2014 में सलाहुद्दीन प्रांत की राजधानी तिकरित पर इस्लामिक स्टेट (आईएस) के कब्जे में किए गए हमले में करीब 1700 सैनिकों की सामूहिक हत्या के मामले में 14 आतंकवादियों को मौत की सजा सुनाई है। इराकी सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने एक बयान में कहा केंद्रीय आपराधिक न्यायालय ने 14 आतंकवादी अपराधियों को स्पाईचर नरसंहार में शामिल होने की पुष्टि करने के बाद फांसी देने का फैसला सुनाया है। जून 2014 में आईएस समूह के नेतृत्व में सशस्त्र सुन्नी आतंकवादियों ने इराकी सुरक्षा बलों पर हमला किया था और सरकारी सैनिकों द्वारा अपनी चौकियों और सैन्य उपकरणों को छोड़ने के बाद देश के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि लगभग 1700 सैनिकों का आईएस द्वारा अपहरण कर लिया गया और उनकी हत्या कर दी गई। आतंकी समूह ने बाद में वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं जिसमें उसके आतंकवादी दर्जनों सैनिकों को ट्रकों में भरकर ले जाते नजर आ रहे हैं। कुछ को दजला नदी के किनारे तक घसीटते हुए और सिर में गोली लगने के बाद पानी में फेंकते दिखाया गया है।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में 92.3 करोड़ डॉलर की गिरावट

इस्लामाबाद। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने कहा कि पिछले सप्ताह उसके विदेशी मुद्रा भंडार में 92.3 करोड़ डॉलर की कमी आई है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि 20 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान पाकिस्तानी केंद्रीय बैंक का कुल विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर लगभग 3.67 अरब डॉलर हो गया। यह कमी बाहरी कर्ज चुकाने के कारण थी। इसमें कहा गया है कि कमर्शियल बैंकों के पास शुद्ध विदेशी मुद्रा भंडार 5.77 अरब डॉलर रहा। एसबीपी के अनुसार दक्षिण एशियाई देश द्वारा आयोजित कुल लिक्विड विदेशी भंडार लगभग 9.45 अरब डॉलर था।

मस्क ने अपना नाम बदलकर ट्विटर पर कर लिया मिस्टर ट्वीट

सैन फ्रांसिस्को। ट्विटर बॉस एलन मस्क ने माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर अपना नाम बदलकर मिस्टर ट्वीट कर लिया है और अब वह इसे वापस नहीं ले सकते। मस्क ने खुलासा किया कि वह अपने नए नाम के साथ फंस गए हैं क्योंकि ट्विटर उन्हें इसे फिर से बदलने नहीं दे रहा है। उन्होंने हंसी वाले इमोजी के साथ ट्वीट किया कि मेरा नाम बदलकर मिस्टर ट्वीट कर दिया अब ट्विटर मुझे इसे बदलने नहीं देगा। यह सर्वविदित है कि अरबपति मालिक कई बार अनोखे फैसले लेते और ट्वीट करते हैं। विकास को इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा टिप्पणियों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ मिला। एक यूजर ने कमेंट किया कि शायद मिस्टर ट्वीट यहां एक कॉमेडी चैनल बना सकता है क्योंकि कॉमेडियन अब मजाकिया नहीं रहे। मगर यह मजाकिया है। एक अन्य यूजर ने लिखा कि अब मैं अपना नाम बदलकर एलन मस्क रख सकता हूं। इस हफ्ते की शुरुआत में मस्क ने कहा कि उन्हें सबसे अधिक शराब पसंद नहीं है लेकिन सोचते हैं कि रेड वाइन अच्छे गिलास में काफी सुंदर है। यह सब तब शुरू हुआ जब निकोल बेहनाम ने ट्वीट किया कि एक बार जब आप महसूस करते हैं कि शराब एक घोटाला है तो सब कुछ बदल जाता है। शराब के विज्ञापन उपभोक्ताओं को लक्षित करने के लिए खुशी प्रतिष्ठा परिष्कार सफलता परिपक्वता पुष्ट क्षमता रचनात्मकता यौन संतुष्टि जैसे विषयों का उपयोग करते हैं। इस पर मस्क ने जवाब दिया कि मुझे अधिकांश शराब का स्वाद या प्रभाव पसंद नहीं है लेकिन रेड वाइन के बारे में कहूंगा कि एक अच्छे गिलास में कुछ बहुत सुंदर है।

तेहरान में अजरबैजान के दूतावास पर हमला सुरक्षा प्रमुख की मौत

दुबई। राजधानी तेहरान में कलाशनिकोव-शैली की राइफल लिए व्यक्ति ने अजरबैजान के दूतावास पर हमला कर दिया जिसमें राजनयिक पद पर तैनात सुरक्षा प्रमुख की मौत हो गई जबकि दो गार्ड घायल हुए। अजरबैजान के प्राधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है न ही इसके पीछे का मकसद साफ हो सका है। घटनास्थल के कथित वीडियो में दूतावास के अंदर मेटल डिटेक्टर के पास एक शव पड़ा दिख रहा है। ईरानी मीडिया ने हमले के संबंध में तत्काल कोई खबर नहीं दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अभी इस हमले की जांच की जा रही है। बयान के मुताबिक हमलावर ने गोलीबारी कर एक सुरक्षा चौकी को भी नष्ट कर दिया। नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र को लेकर अज़रबैजान और आर्मेनिया में संघर्ष के बाद से दोनों देशों (ईरान और अज़बैजान) के बीच तनाव व्याप्त है। इस्लामी गणतंत्र को हिला देने वाले राष्ट्रव्यापी विरोध के बीच ईरान ने अक्टूबर में अज़रबैजान सीमा के पास एक सैन्य अभ्यास शुरू किया था।

तुर्की की सरकार घटायेगी नागरिकों के कर्ज का बोझ

तुर्की। तुर्की के वित्त मंत्री नूरदीन मेवाती ने कहा कि तुर्की सरकार अपने नागरिकों के ऊपर जिन पर कर्ज का भारी बोझ है। सरकार अपने लाखों नागरिकों के कर्ज के बोझ को कम करने के लिए एक मसौदा विधेयक लेकर आ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने नागरिकों के बिल -कर और प्रीमियम कर्ज़ों के जुर्माने से सरकार छूट देने पर विचार कर रही है। जल्द ही सरकार नागरिकों के ऊपर से कर्ज का बोझ कम करेगी। उल्लेखनीय है तुर्की के नागरिकों के ऊपर कर्ज का बोझ इस कदर बढ़ गया है जिससे लोगों की नाराजी सरकार के प्रति बढ़ती जा रही है। अब सरकार इसमें छूट देकरनागरिकों की नाराजगी को कम करने का प्रयास कर रही है।

मीडिया मुगल रूपर्ट मर्डोक ने टाला कंपनियों का विलय

न्यूयॉर्क। विश्व स्तर के मीडिया मुगल रूपर्ट मर्डोक ने दोनों कंपनियों के बीच होने वाले विलय को टालने का निर्णय लिया है। मर्डोक ने कहा फाक्स कार्प और न्यूज़ कार्प के विलय का जो प्रस्ताव था। उसको उन्होंने टालने का निर्णय लिया है। मर्डोक ने इस आशय का एक पत्र फॉक्स कार्प को भेजा है। मर्डोक ने कहा दोनों कंपनियों का विलय शेयरधारकों के हित में नहीं है। रूपर्ट मर्डोक ने 10 साल पहले दोनों कंपनियों को अलग अलग किया था। कुछ समय से वह दोनों कंपनियों को फिर से विलय करने के पक्षधर थे। एकाएक उन्होंने अपना निर्णय बदल दिया है। सूत्रों के अनुसार आर्थिक मंदी और मीडिया के कारोबार में विशेष रूप से डिजिटल मीडिया से मिल रही चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपने ही विलय प्रस्ताव को हटाने का निर्णय लिया है।

बाइडेन ने भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री चारी को ब्रिगेडियर जनरल के ग्रेड में नियुक्त करने नामित किया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री राजा जे चारी को वायु सेना के ब्रिगेडियर जनरल के ग्रेड में नियुक्त करने के लिए नामित किया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुताबिक बाइडन ने वायु सेना के कर्नल चारी (45) को वायुसेना के ब्रिगेडियर जनरल के ग्रेड में नियुक्त करने के लिए नामित किया। उनके नामांकन को सीनेट की मंजूरी की आवश्यकता होगी जो सभी शीर्ष नागरिक और सैन्य नियुक्तियों को स्वीकृति प्रदान करती है। चारी फिलहाल 'नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (नासा) के टेक्सास स्थित जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र में क्रू-3 के कमांडर एवं अंतरिक्ष यात्री के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) से एअरोनॉटिक्स में परास्नातक और मैरीलैंड स्थित यूएस नेवल टेस्ट पायलट स्कूल से स्नातक कर रखा है। वह कैलिफोर्निया स्थित एडवर्ड्स वायु सैनिक अड्डे पर 461वें फ्लाइट टेस्ट स्क्वाड्रन के कमांडर और ए-35 इंटीग्रेटेड टेस्ट फोर्स के निदेशक के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

हेती में हथियारबंद गिरोहों के द्वारा पुलिस अधिकारियों की हत्या के मामले को लेकर एक जलते हुए बैरीकेड के सामने विरोध व्यक्त करते हुए एक व्यक्ति।

ब्रिटिश सांसद ने बताया शर्मनाक पीएम मोदी को बदनाम करने का प्रोपेगेंडा

लंदन। ब्रिटिश सांसद ने बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को पीएम मोदी के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला बताया है। बता दें कि ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन 25 जनवरी को कश्मीर में हिंदुओं के नरसंहार के 33 साल पूरे होने के मौके पर हाउस ऑफ कॉमन्स में बोल रहे थे। बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को लेकर पूरे देश में विवाद मचा है। जहां केरल में कांग्रेस की ओर से स्क्रिनिंग की गई वहीं जेएनयू सहित कई विश्वविद्यालयों में भी इस दिखाए जाने को लेकर घमासान मचा है। वहीं अब बीबीसी डॉक्यूमेंट्री की तरफ से ब्रिटेन की तरफ से भी टिप्पणी सामने आई है। ब्रिटेन के संसद परिसर में सांसद ब्लैकमैन ने प्रधानमंत्री मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री को अपमानजनक प्रोपगेंडा करार दिया है। इसके साथ ही ब्रिटिश सांसद ने इस पीएम मोदी के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला बताया है। बॉब ने कहा इस जगह पर मेरे जैसे बहुत कम सांसद हैं जो आपका मामला रखते हैं। हिंदुओं का जिक्र करते हुए उन्होंने हिंदू नरसंहार की सालगिरह के कार्यक्रम में बात की। फिर उन्होंने बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के बारे में बात करते हुए कहा कि ये बिल्कुल अपमानजनक प्रोपगेंडा है।

पीएम मोदी ने महिलाओं के विकास को अपनी सरकार के मुख्य एजेंडे में शामिल किया: ईरानी

वाशिंगटन। (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भारत और अमेरिका की प्रतिष्ठित महिला नेताओं के एक समूह से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के विकास को अपनी सरकार के मुख्य एजेंडे में शामिल किया है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ईरानी ने यहां महिला आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पहले 'यूएस-इंडिया एलायंस शैटर समिट' को ऑनलाइन संबोधित करते हुए यह बयान दिया। ईरानी ने कहा, '' हम सभी के पास जश्न मनाने की वजह है क्योंकि भारत जी20 अध्यक्षता कर रहा है। मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को मुख्य एजेंडे में से एक बनाया है और यह केवल नाम के लिए नहीं है।''

विदेश मंत्रालय के फोगी बॉटम मुख्यालय में आयोजित शिखर सम्मेलन में अपने भाषण में ईरानी ने देश में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमों को रेखांकित किया। ईरानी ने शिखर सम्मेलन में कहा, '' एक भारतीय महिला होने के नाते मैं गर्व से कह सकती हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने शासन में महिलाओं संबंधी मुद्दों को केंद्र में रखा है।'' यह शिखर सम्मेलन महिला आर्थिक सशक्तिकरण के लिए यूएस-इंडिया एलायंस की एक पहल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय, यूएसएआई, यूएसआईएसपीएफ और जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के बीच एक साझेदारी के तहत इसका आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य अमेरिका और भारत में निजी क्षेत्र, नागरिक संस्थाओं तथा सरकार की प्रतिबद्धताओं को बदलना और भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाना है। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि भारत में महिलाएं सरकारी पहलों और नारी शक्ति को सुगम बनाने के लिए लक्षित प्रयास के तहत काफी विकास कर रही हैं।

उन्होंने कहा, '' हमें अब भी काफी कुछ हासिल करना है। हमारी यात्रा तब तक पूरी नहीं होगी जब तक कि हर एक महिला हर तरह से अपनी पसंद कायम करने और उसे हासिल करने में सक्षम नहीं हो जाती। लैंगिक भेदभाव और लैंगिक रूढ़िवादिता को समाप्त करने की जरूरत है। आखिरी बाधा पार करने तक हमारे प्रयास जारी रहेंगे।''

'यूएस-इंडिया एलायंस शैटर समिट' में अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन ने कहा कि जब महिलाएं सफल होती हैं, तो समावेशिता बढ़ती है तथा भेदभाव कम होता है और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो समुदाय मजबूत होते हैं तथा अर्थव्यवस्थाएं अधिक लचीली होती हैं। उन्होंने कहा कि भारत और हर जगह तेज व सतत विकास के लिए महिलाएं महत्वपूर्ण हैं। वैश्विक महामारी से पहले एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि लैंगिक समानता कायम होने से 2025 तक भारत की जीडीपी में 770 अरब डॉलर तक का योगदान बढ़ सकता है।

मौत या नजरबंदी का डर नहीं, फवाद चौधरी की गिरफ्तारी के बाद बोले इमरान खान- देश का भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख इमरान खान ने पीटीआई नेता फवाद चौधरी की गिरफ्तारी के बाद कहा कि उन्हें गिरफ्तार करने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें मौत या नजरबंदी का डर नहीं है क्योंकि उन्होंने मौत को बहुत करीब से देखा है। खान ने फवाद चौधरी की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि कानूनी बिरादरी और न्यायपालिका को मौजूदा स्थिति में अपनी भूमिका निभानी चाहिए और जिन लोगों ने उन्हें अदालत के सामने पेश नहीं किया, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

खान ने कहा कि शासक जिस तरह से नेतृत्व कर रहे हैं, उससे देश का भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। उन्होंने देश से उठने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान के लोग इसकी विरासत के सच्चे उत्तराधिकारी थे और कहा कि देश को न्याय के सिद्धांत के तहत चलाने की जरूरत है, जो कि मदीना राज्य का आधार भी था। द न्यूज इंटरनेशनल ने बताया कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री ने कहा कि फवाद को मुंशी शब्द का उपयोग करने के लिए गिरफ्तार किया गया था, जो कि अपराध नहीं था, और कहा कि जो लोग उन्हें अदालत में पेश नहीं करते, उन्हें कानून के इस उल्लंघन के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'देश में गरीबी दूर करने के लिए न्याय होना चाहिए।

खान ने फवाद की पत्नी को फोन किया और परिवार के बारे में पूछा। उन्होंने परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त की और पार्टी में फवाद की भूमिका की सराहना की। जियो न्यूज ने हाल ही में खबर दी थी कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान को गिरफ्तार करने की साजिश रचने के लिए पाकिस्तान सरकार की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के तुरंत बाद, पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष फवाद चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया।

घुटनों पर आया कंगाल पाकिस्तान, अमेरिका के आगे फैलाए हाथ, आईएमएफ को मनाने को कहा

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए एक-एक दिन भारी पड़ रहा है। पाकिस्तान का वही हाल होने जा रहा है जो कुछ दिन पहले श्रीलंका का हुआ था। इसका दावा भी खुद पाकिस्तान का मीडिया ही कर रहा है। घर में अनाज नहीं है, पेट्रोल पंपों पर तेल की किल्लत हो रही है। रसोई में गैस नहीं है, अस्पतालों में दवाइयां नहीं हैं और बैंकों में कैश नहीं है। ऐसी हालात में जनता सड़कों पर निकल रही है। एक बड़े आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान ने अपने वित्त को संतुलित रखने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की मदद मांगी है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कर्ज की शर्तों को नरम करने के लिए अमेरिका से मदद मांग रहा है। पाकिस्तान ने अमेरिकी अधिकारियों से कहा है कि वे अपने प्रभाव से शर्तों को नरम करवाएं, क्योंकि देश आर्थिक और राजनीतिक दोनों रूप से एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। बता दें कि पाक में महंगाई दर उच्च स्तर पर है और विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट रहा है। अगर आईएमएम से कर्ज मिला तो पाक के लिए मदद के और भी दरवाजे खुल जाएंगे।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार एक बैठक के दौरान, पाकिस्तान के वित्त मंत्री

इशाक डार ने एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से वाशिंगटन स्थित बहुपक्षीय ऋणदाता को कार्यक्रम को बहाल करने में पाकिस्तान के प्रति उदार होने के लिए मनाने में मदद की गुहार लगाई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि डार ने आगंतुकों से कहा कि पाकिस्तान अपनी सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का सम्मान करेगा और देश में आर्थिक स्थिरता लाने के लिए बहुत कड़े फैसले लेगा।

5.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था वाला होगा भारत

-अर्थव्यवस्था की निगरानी करने वाले यूएन के मुख्य अधिकारी राशिद का बयान

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। इस साल जब विश्व अर्थव्यवस्था के मात्र 1.9 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है तब 5.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था होगी। यह बात वैश्विक अर्थव्यवस्था की निगरानी करने वाले संयुक्त राष्ट के मुख्य अधिकारी ने कही। भारत की अध्यक्षता वाली बड़ी विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह प्रमुख हामिद राशिद ने कहा कि वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा अगले वर्ष के लिए भारत के लिए 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगा रहा है जो जी-20 के अन्य सदस्य देशों के सापेक्ष बहुत अधिक है। इस बीच नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के आर्थिक प्रदर्शन का श्रेय उसके नेतृत्व को दिया। मुर्मू ने अपने गणतंत्र दिवस के भाषण में कहा कि सरकार के समय पर और सक्रिय हस्तक्षेप के कारण भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है। विशेष रूप से सरकार की आत्मनिर्भर भारत की पहल ने लोगों के बीच शानदार प्रतिक्रिया हासिल की।

संयुक्त राष्ट्र की विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं (डब्ल्यूईएसपी) की रिपोर्ट जारी होने के मौके पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए राशिद ने कहा कि भारत का विकास संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक अच्छा कदम है। संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख आर्थिक रिपोर्ट डब्ल्यूईएसपी के अनुसार विकास दर के मामले में चीन दूसरे स्थान पर चीन में इस वर्ष 4.8 प्रतिशत और अगले वर्ष 4.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इस वर्ष 0.4 प्रतिशत और अगले वर्ष 1.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। जबकि समग्र रूप से विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए रिपोर्ट में मई में अनुमानित विकास दर में 0.2 प्रतिशत से 0.4 प्रतिशत और इस वर्ष 1.6 प्रतिशत की कटौती की गई है। अगले वर्ष 1.7 प्रतिशत की कमी की उम्मीद है।

राशिद ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए गिरती बेरोजगारी मुद्रास्फीति में कमी और कम आयात बिल को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी दर पिछले चार वर्षों में 6.4 प्रतिशत हो गई है। इसका मतलब है कि घरेलू मांग काफी मजबूत रही है। डब्ल्यूएसपी ने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि 2022 में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में नौकरियों की वृद्धि हुई। राशिद ने कहा कि मुद्रास्फीति का दबाव भी काफी हद तक कम हो गया है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक को मौद्रिक सख्ती पर आक्रामक नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत को कम आयात से भी लाभ हुआ है विशेष रूप से ऊर्जा आयात लागत जो पिछले वर्षों की तुलना में कम रही है। राशिद ने कहा कि मुझे लगता है कि यह भारत के लिए एक सतत विकास दर है क्योंकि भारत में भी बड़ी संख्या में लोग गरीबी में जी रहे हैं। इसलिए अगर भारत निकट अवधि में इस विकास दर को बनाए रख सकता है तो यह एक आम लोगों के लिए अच्छा होगा। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मुख्य रूप से वैश्विक स्थिति से उत्पन्न होने वाले दो जोखिमों की ओर इशारा किया। एक उच्च ब्याज दरों से है जो ऋण सेवा लागत को बढ़ा देगा जो बजट के 20 प्रतिशत से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि यह काफी उच्च ऋण सेवा लागत है और इससे विकास की संभावना पर कुछ असर पड़ेगा। दूसरा जोखिम वैश्विक बाहरी मांगों की कमी से है। रशीद ने कहा कि अगर यूरोप और अमेरिका में विकास दर कम होगा तो इसका प्रभाव वैश्विक निर्यात पर पड़ेगा। इससे विश्व अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि लेकिन कुल मिलाकर हमारा मानना है कि निकट भविष्य में मजबूत घरेलू मांग को देखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में होगी। रिपोर्ट में समग्र रूप से दक्षिण एशिया की अर्थव्यवस्था इस वर्ष 4.8 प्रतिशत और अगले वर्ष 5.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

फाइजर: क्या वैक्सीन कंपनियों से फैलाया कोरोना? वायरस से छेड़छाड़ पर सबसे बड़ी साजिश का खुलासा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। कोरोना वैक्सीन बनाने वाली कंपनी फाइजर पर बेहद ही सनसनीखेज आरोप लगे हैं। स्टिंग ऑपरेशन के जरिये दावा किया गया कि अपनी जेब भरने के लिए फाइजर कोरोना वायरस से छेड़छाड़ करने की कोशिश में है। ताकी वायरस बेहद जानलेवा हो जाए और कंपनी कोरोना का नया टीका बना सके। प्रोजेक्ट वेरिटास द्वारा जारी अंडरकवर क्लिप में वाकर एक अज्ञात रिपोर्टर से बात करते हुए नजर आए।

वीडियो में फाइजर द्वारा कोविड-19 वायरस को बदलने पर विचार करने की संभावना के बारे में बताया गया है। रिपोर्टर को यह पूछते हुए सुना जा सकता है कि तो, फाइजर अंततः कोविड को म्यूटेंट (परिवर्तित) करने के बारे में सोच रहे हैं?

जवाब में वॉकर ने कहा कि सूचना को जनता से दूर रखा जाना चाहिए। वैसे हम लोगों से ऐसा नहीं कहते हैं। वैसे ये बात किसी से मत कहना, वादा करना होगा किसी को नहीं बताओगे। साक्षात्कारकर्ता ने कहा कि फाइजर ने कथित तौर पर उनके इलाज के लिए नए टीके विकसित करने के लिए वायरस को बदलने पर विचार किया। हम एक्सप्लोर कर रहे हैं, जैसे, आप जानते हैं कि वायरस कैसे म्यूटेंट होता रहता है? हम जिन चीजों की खोज कर रहे हैं उनमें से एक यह है कि हम इसे खुद ही क्यों नहीं बदल लेते हैं, ताकि हम नए टीकों पर ध्यान केंद्रित कर सकें, बना सकें, पहले से ही नए टीके विकसित कर सकें।

जॉर्डन ट्रिस्टन वॉकर के साक्षात्कार के प्रोजेक्ट वेरिटास वीडियो को 15 मिलियन से अधिक बार देखा गया, 69 हजार बार रीट्वीट किया गया 132 हजार लाइक मिले है। फुटेज ने ऑनलाइन बड़ी अटकलों को भी हवा दी, कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने दावा किया कि फाइजर ने सक्रिय रूप से अपने स्वयं के अनुसंधान उद्देश्यों के लिए प्रयोग किए।

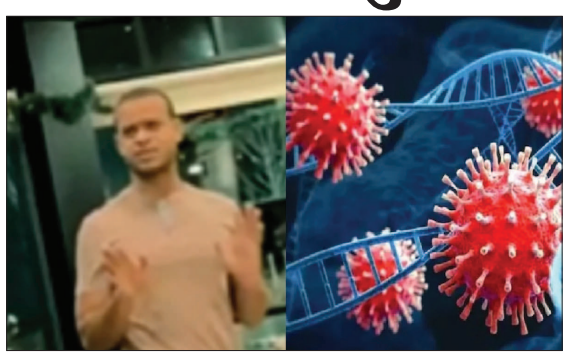

संपादकीय

न्याय की भाषा

आजादी के बाद से ही आम आदमी के लिए सहज-सरल न्याय उपलब्धता के मार्ग में भाषा एक बड़ी बाधा रही है। देशवासियों की आकांक्षा थी कि जब देश अंग्रेजी दासता से मुक्त होगा तो उन्हें अपनी मातृभाषा के जरिये न्यायिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलेगा। निरक्षरता के दंश से जूझते देश में तो यह और भी जरूरी था कि आम लोगों को न्यायिक फैसले मातृभाषा में सहजता से समझ में आ सकें। आजादी के अमृतकाल में जब मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ ने न्यायालय के फैसले हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की बात कही तो पूरे देश ने इसका स्वागत किया। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस कदम पर सकारात्मक प्रतिसाद दिया। कह सकते हैं आम जनमानस को गणतंत्र दिवस से पूर्व एक सौगात मिली है। उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश ने इस बात की घोषणा महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल के सम्मेलन के दौरान की। उनका मानना था कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद इस अभियान में ली जाएगी, जिससे हिंदी व अन्य भाषाओं में शीर्ष अदालत के निर्णयों का अनुवाद किया जा सके। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष मुख्य न्यायाधीश का पद संभालने के बाद न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ की कोशिश रही है कि न्याय तक आम आदमी की पहुंच सरल हो। इसी क्रम में उन्होंने यह भी महसूस किया कि आम आदमी की पहुंच में न्याय होने के मार्ग में भाषायी बाधा एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने माना कि न्याय अपने उद्देश्य में तभी सार्थक साबित होगा जब वादी-प्रतिवादी की समझ में आने वाली भाषा में फैसले उपलब्ध होंगे। दरअसल, आजादी के बाद संविधान में उल्लेख किया गया था है कि संसद द्वारा कानून बनाकर अंतिम व्यवस्था देने तक सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्टों की भाषा अंग्रेजी ही रहेगी। विडंबना यह है कि देश की भाषायी जटिलताओं और इससे जुड़ी राजनीति की चुनौती के चलते कोई गंभीर पहल नहीं हो पायी है। वहीं दूसरी ओर यह अच्छी बात है कि न्याय की राह सुगम बनाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किये जाने की बात कही जा रही है, जिससे कालांतर में सूचना अंतर पाटने और भाषायी बाधा को दूर करने में प्रौद्योगिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल भी हो सकेगा। कायदे की बात तो यही है कि जिस भाषा में लोग समझ सकें उसी में न्याय की उपलब्धता होनी चाहिए। दरअसल, जो वादी अंग्रेजी भाषा नहीं जानते, वे इन फैसलों को सही ढंग से नहीं समझ पाते। बहुत संभव है कुछ अधिवक्ताओं को भी ऐसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता होगा। हो सकता है कि कई बार अदालत के आदेश भाषायी गफलत के चलते जटिल स्थिति उत्पन्न कर दें, जो न्याय के वास्तविक उद्देश्य के लिये सुखद स्थिति नहीं कही जा सकती। अब सुप्रीम कोर्ट की पहल से करोड़ों लोगों को लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत के निर्णयों का सटीक व बोधगम्य अनुवाद उपलब्ध कराना भी एक चुनौती होगी। ऐसी किसी विसंगति से बचने के लिये जरूरी है कि आधुनिक तकनीक व फुलप्रूफ सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाए। बहरहाल, न्यायपालिका की भारत की भाषायी विविधता का सम्मान करने तथा आम लोगों के सामने आने वाली असुविधा के प्रति संवेदनशील पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इसके क्रियान्वयन की दिशा में अविलंब पहल भी जरूरी है। इसी तरह बीते साल सितंबर में शीर्ष अदालत ने अपनी संविधान पीठ की सुनवाई की लाइव-स्ट्रीमिंग की शुरुआत करके अदालती कार्यवाही को सार्वजनिक क्षेत्र में लाने का सार्थक प्रयास किया था। मुख्य न्यायाधीश का मानना था कि इससे कानून के शिक्षकों व छात्रों को कानून की शिक्षा के मुद्दों पर चर्चा करने में मदद मिलेगी।

कैसे हो पायेगी विपक्षी दलों की एकता?

केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने दिल्ली व पंजाब में कांग्रेस को हराकर ही अपनी सरकार बनाई है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भी आप ने 14 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। गुजरात में कांग्रेस के वोट कटने से कांग्रेस मात्र 17 सीटो पर ही सिमट गयी थी। अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की है कि वह देश के कई प्रांतों के साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव भी लड़ेंगे। गुजरात के प्रदर्शन के बाद आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी मिल जाएगी। ऐसे में अरविंद केजरीवाल खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं।

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

भाजपा की केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों के नेता एकजुट होने के लिए लगातार प्रयास करते रहते हैं। शरद पवार लालू यादव उद्धव बालासाहब ठाकरे अखिलेश यादव एमके स्टालिन जयंत चौधरी ममता बनर्जी एचडी देवेगौड़ा ओम प्रकाश चौटाला सहित वामपंथी दलों के नेता इसके लिए लगातार मीटिंग का आयोजन कर आपस में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह सभी नेता चाहते हैं कि भाजपा को छोड़कर अन्य सभी राजनीतिक दल एक साथ एक साझा मंच पर आकर चुनाव लड़े। जिससे भाजपा को हराया जा सके। मगर इनके प्रयासों के सिरे चढ़ने से पहले ही विरोधी दलों के कुछ नेता एकला चलो की नीति अपनाकर विपक्ष की एकता में फूट डालने का काम कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपनी आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिला कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकल्प बनने का सपना देख रहे हैं। केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने दिल्ली व पंजाब में कांग्रेस को हराकर ही अपनी सरकार बनाई है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भी आप ने 14 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। गुजरात में कांग्रेस के वोट कटने से कांग्रेस मात्र 17 सीटो पर ही सिमट गयी थी। अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की है कि वह देश के कई प्रांतों के साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव भी लड़ेंगे। गुजरात के प्रदर्शन के बाद आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी मिल जाएगी। ऐसे में अरविंद केजरीवाल खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव अपनी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय समिति के नाम से नया नामकरण कर अगले लोकसभा चुनाव में कई राज्यों में चुनाव लड़ने के मंसूबे पाल रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पिछले कुछ समय से विपक्षी दलों से दूरी बनाती नजर आ रही है। चर्चा है कि उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अंदर खाने तालमेल हो गया है। जिसके चलते वह विपक्ष से अलग हटकर अपना अलग ही राग अलापने लगी है। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने कुछ दिनों पूर्व अकेले ही चुनाव लड़ने की घोषणा कर विपक्षी दलों को झटका दिया है। मायावती ने कहा है कि वह किसी भी राजनीतिक दल से चुनावी गठबंधन नहीं करेगी। कांग्रेस ने असम में अपने गठबंधन सहयोगी सांसद बदरुद्दीन अजमल की आल इंडिया यूनाईटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट पार्टी से गठबंधन को समाप्त कर दिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बदरुद्दीन अजमल असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के इशारों पर कांग्रेस को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। यह सब कुछ ऐसी ताजा घटनाएं है जो देश की राजनीति की दिशा व दशा तय करेगी। विपक्ष की राजनीति कर रहे कुछ दलों को कांग्रेस से आपत्ति है। वह कांग्रेस व भाजपा से समान दूरी बना कर रखना चाहते हैं। हालांकि केरल त्रिपुरा में वामपंथी दल और कांग्रेस आमने-सामने चुनाव लड़ते हैं। मगर पश्चिम बंगाल व देश के अन्य प्रदेशों में एक साथ गठबंधन कर लेते हैं। समाजवादी पार्टी ने भी पिछले विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस से गठबंधन करने से इंकार कर दिया था। इस कारण कांग्रेस को अकेले चुनाव लड़ना पड़ा था। तमिलनाडु में पिछले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में द्रमुक ने कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। जिसमें दोनों ही दलों को जबरदस्त सफलता मिली थी। द्रमुक को विधानसभा में अकेले ही बहुमत मिलने के कारण उसने राज्य सरकार में कांग्रेस को अभी तक शामिल नहीं किया है। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल व जनता दल यूनाइटेड की सरकार में कांग्रेस भी शामिल है। मगर कांग्रेस को सत्ता में नाम मात्र की हिस्सेदारी मिली है। जिससे बिहार के कांग्रेसी नेता संतुष्ट नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में शिवसेना नेता उद्धव बालासाहब ठाकरे ने भाजपा को दूर कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व कांग्रेस के साथ मिलकर एक नया प्रयोग करते हुए महाराष्ट्र विकास अघाड़ी की सरकार बनाई थी। जो सफलतापूर्वक चल भी रही थी। मगर शिवसेना के कुछ नेताओं द्वारा बगावत करने के कारण अघाड़ी सरकार गिर गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्र सरकार का नेतृत्व करते हुए करीबन पौने नौ साल का समय हो चुका है। वह बिना किसी चुनौती के एक छत्र राज कर रहे हैं। 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीतकर भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार दो बार केंद्र में सरकार बनाकर देश की राजनीति में अपना वर्चस्व स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए विपक्षी दलों के नेता बड़े-बड़े दावे करते रहते हैं। मगर प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति के सामने सभी विपक्षी दल पस्त नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के एक छत्र नेता बनने के पीछे उनकी विपक्षी दलों में फूट डालकर राज करने की सबसे कारगर नीति है जो पूरी तरह सफल हो रही है। विपक्षी दलों द्वारा केंद्र सरकार के खिलाफ जब भी कोई बड़ी मुहिम चलाई जाती है तो उसमें फूट पड़ ही जाती है और वह मुहिम फ्लॉप हो जाती है। राजनीति के जानकार इसके पीछे मोदी का ही हाथ मानते हैं। मराठा क्षत्रप शरद पवार ने कई बार विपक्षी दलों के नेताओं को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जो सीरे भी चढ़ता नजर आया। मगर अंत में उसका भी वही हश्र हुआ और विपक्षी दल एक मंच पर नहीं आ पाए। कई विपक्षी दलों के नेताओं का मानना है कि विपक्ष की एकता में सबसे बड़ी बाधा कांग्रेस है। मगर वह इस बात को भूल जाते हैं कि कांग्रेस पार्टी आज भी देश में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। संसद में उसके सबसे अधिक सांसद है। ऐसे में कांग्रेस के बिना विपक्ष की राजनीति कैसे सिरे चढ़ सकती है। कांग्रेस पार्टी का आज भी पूरे देश में कम या ज्यादा जनाधार है। हालांकि कई प्रदेशों में क्षेत्रीय दल बहुत मजबूत है तथा वहां उनकी सरकार चल रही है। मगर केंद्र से मिलने वाले लाभ की बदौलत कई क्षेत्रीय दलों के नेताओं यथा उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी सहित अन्य कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने केंद्र सरकार से अघोषित समझौता कर रखा है। जब भी केंद्र को शक्ति प्रदर्शन करने की जरूरत होती है तो विपक्षी दलों के कई नेता भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े नजर आते हैं। ये नेता किसी भी पार्टी से चुनावी गठबंधन नहीं करना चाहते हैं। पूर्वोत्तर राज्यों की क्षेत्रीय पार्टी के नेता भी आर्थिक हितों के चलते केन्द्र सरकार को नाराज नहीं करना चाहते हैं। इससे विपक्ष की राजनीति कमजोर होती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पार्टी के जनाधार को मजबूत करने के लिए भारत जोड़ो पदयात्रा कर रहें है। जिसमें वह भाजपा विरोधी सभी दलों के नेताओं को आमंत्रित कर रहे हैं। मगर उनके यात्रा में भी कई विपक्षी दलों के नेताओं ने शामिल होने से इंकार कर विपक्ष की एकता को पलीता लगा दिया। विपक्षी दलों की आपसी फूट का फायदा उठाकर भाजपा 2024 में तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने की योजना बना रही है। यदि विपक्षी दलों की सिर फुट्टवल इसी तरह चलती रही तो भाजपा को लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने से कोई नहीं रोक सकता है।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

(28 जनवरी -शेर-ए-पंजाब) लाला लाजपत राय जन्म जयंती

(28 जनवरी -शेर-ए-पंजाब /लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

भारत मां को वीरों की जननी कहा जाता है। इस धरती पर कई ऐसे वीर सपूत हुए हैं जिन्होंने अपने जीवन की परवाह न करते हुए इस देश को आजाद कराने के लिए अपना जीवन तक बलिदान कर दिया। ऐसे ही एक स्वतंत्रता सेनानी थे शेर-ए-पंजाब लाला लाजपत राय। जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इन्होंने पंजाब नैशनल बैंक और लक्ष्मी बीमा कम्पनी की स्थापना भी की थी। ये भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गरम दल के तीन प्रमुख नेताओं लाल-बाल-पाल में से एक थे। पंजाब केसरी लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को फिरोजपुर पंजाब में हुआ था। उनके पिता मुंशी राधा कृष्ण आजाद फारसी और उर्दू के महान विद्वान थे और माता गुलाब देवी धार्मिक महिला थीं। प्रारंभ से ही लाजपत राय लेखन और भाषण में बहुत रुचि लेते थे। इन्होंने कुछ समय हरियाणा के रोहतक और हिसार शहरों में वकालत की। लाला लाजपतराय को शेर-ए-पंजाब का सम्मानित संबोधन देकर लोग उन्हें गरम दल का नेता मानते थे। लाला लाजपत राय स्वावलंबन से स्वराज्य लाना चाहते थे। 1897 और 1899 में उन्होंने देश में आए अकाल में पीड़ितों की तन मन और धन से सेवा की। देश में आए भूकंप अकाल के समय ब्रिटिश शासन ने कुछ नहीं किया। लाला जी ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर अनेक स्थानों पर अकाल में शिविर लगाकर लोगों की सेवा की। इसके बाद जब 1905 में बंगाल का विभाजन किया गया था तो लाला लाजपत राय ने सुरेंद्रनाथ बनर्जी और विपिनचंद्र पाल जैसे आंदोलनकारियों से हाथ मिला लिया और इस तिकड़ी ने ब्रिटिश शासन की नाक में दम कर दिया। इस तिकड़ी ने स्वतंत्रता समर में वो नए प्रयोग किए थे जो उस समय में अपने-आप में नायाब थे। लाल-बाल-पाल के नेतृत्व को पूरे देश में भारी जनसमर्थन मिल रहा था जिसने अंग्रेजों की रातों की नींद हराम कर दी। इन्ह होंने अपनी मुहिम के तहत ब्रिटेन में तैयार हुए सामान का बहिष्कार और व्यावसायिक संस्थाओं में हड़ताल के माध्यम से ब्रिटिश सरकार विरोध किया। स्वावलंबन से स्वराज्य प्राप्ति के पक्षधर लालाजी अपने विचारों की स्पष्टवादिता के चलते उग्रवादी नेता के रूप में काफी लोकप्रिय हुए।लाला लाजपत राय अक्टूबर 1917 में अमेरिका पहुंच गए यहां के न्यूयॉर्क शहर में उन्होंने इंडियन होम रूल लीग ऑफ अमेरिका नाम से एक संगठन की स्थापना की। इस संगठन के माध्यम से उन होंने वहां से स्वाधीनता की चिंगारी को लगातार हवा देते रहे। लालाजी तीन साल बाद जब 20 फरवरी 1920 को भारत लौटे तो उस समय तक वे देशवासियों के लिए एक महान नायक बन चुके थे। उन्हें कलकत्ता में कांग्रेस के खास सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया। जलियांवाला बाग हत्याकांड के खिलाफ उन्होंने पंजाब में ब्रिटिश शासन के खिलाफ उग्र आंदोलन किया। जब गांधीजी ने 1920 में असहयोग आंदोलन छेड़ा तो उन्होंने पंजाब में आंदोलन का नेतृत्व किया और उन्होंने कांग्रेस इंडिपेंडेंस पार्टी बनाई।

साइमन कमीशन का किया जमकर विरोध

साइमन कमीशन 3 फरवरी 1928 को जब भारत पहुंचा तो उसके शुरुआती विरोधियों में लालाजी भी शामिल हो गए और इस कमीशन का विरोध करने लगें। यह साइमन कमीशन भारत में संवैधानिक सुधारों की समीक्षा एवं रपट तैयार करने के लिए बनाया गया सात सदस्यों की कमेटी थी। यह सभी भारत में संवैधानिक ढांचे को अंग्रेजी मंशा के आधार पर तैयार करने के लिए भारत आये थे। जिसका पूरे देश में जबरदस्त विरोध देखने को मिला। साइमन कमीशन के भारत में आने के साथ ही इसके विरोध की आग पूरे देश में फैल गई। चौरी चौरा कांड के बाद गांधी जी द्वारा असहयोग आंदोलन वापस लिए जाने से आजादी की लड़ाई में जो ठहराव आ गया था वह अब टूट चुका था। लोग फिर से सड़कों पर निकल कर आने लगे और देखते ही देखते पूरा देश साइमन गो बैक (साइमन वापस जाओ) के नारों से गूंज उठा।

अंग्रेजों की लाठी खाकर भी नहीं हटे पीछे हुए शहीद

साइमन कमीशन के विरोध में क्रांतिकारियों ने 30 अक्टूबर 1928 को लाहौर में एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन कर रखा था। जिसका नेतृत्व लालाजी कर रहे थे। इस प्रदर्शन में उमड़ी

जनसैलाब को देखकर अंग्रेज बुरी तरह बौखला गए थे। इस प्रदर्शन से डरे अंग्रेजों ने लालाजी और उनके दल पर लाठीचार्ज कर दिया। इसमें शामिल युवाओं को बेरहमी से पीटा गया। लाला लाजपत राय अंग्रेजों की इस लाठी से डरे नहीं और जमकर उनका सामना किया। इस लाठीचार्ज में लालाजी बुरी तरह घायल हो गए जिसके बाद उनका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा और आखिरकार 17 नवंबर 1928 को इस वीर ने हमेशा के लिए आंखे मूंद ली। लालाजी गरम दल के नेता थें उन्हें चन्द्रशेखर आजाद भगतसिंह राजगुरु सुखदेव व वीर क्रांतिकारी अपना आदर्श मानते थे। जब लोगों को पता चला कि अंग्रेजों ने बेरहमी से पीट कर लालाजी को मार डाला तो गर्म दल के नेता उत्तेजित हो उठे और लालाजी की मौत का बदला लेने के लिए 17 दिसंबर 1928 को ब्रिटिश पुलिस अफसर सांडर्स को गोली मार दी गई। बाद में सांडर्स की हत्या के मामले में ही राजगुरु सुखदेव और भगतसिंह को फांसी की सजा सुनाई गई।

विचार मंथन

भारत का स्वदेशी मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम

(लेखक-सनत जैन)

भारत ने अपना स्वदेशी मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम तैयार कर लिया है। इसका सफल परीक्षण भी मंगलवार को हो गया है। स्वदेशी मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम का नाम भार-ओएस रखा गया है। आईआईटी मद्रास ने इस ऑपरेटिंग सिस्टम को तैयार किया है। भारत में करोड़ों मोबाइल फोन का उपयोग हो रहा है। अधिकांशतः फोन एंड्राइड ऑपरेटिंग सिस्टम पर आधारित हैं। इन सभी में एंड्रॉयड की दादागिरी है। यह जासूसी के उपकरण भी हैं। ब्रिटेन सहित दुनिया के देशों से इस तरह की बातें सामने आ रही हैं। भारत में पिछले 3 दशक में बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और इंटरनेट के माध्यम से शिक्षा कारोबार बैंकिंग सहित अन्य सभी कार्य हो रहे हैं। भारत की सरकार विदेशी कंपनियों और उनकी तकनीकी को आधार बनाकर उन्हें भारत में बिना जांचे-परखे और बिना नियम के आने की अनुमति देती है। जिसके कारण इन कंपनियों का एकाधिकार सबसे ज्यादा भारत में बना हैं। अब जिस तरह की जानकारी सामने आ रही है। उसमें डिजिटल डिवाइस जासूसी के सबसे बड़े उपकरण माने जा रहे हैं। ब्रिटेन में इसका खुलासा हाल ही में हुआ है। आईआईटी मद्रास ने जो स्वदेशी मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम तैयार किया है। वह एंड्रॉयड ओपन सोर्स प्रोजेक्ट के तहत भी काम करेगा। उपयोगकर्ता अपनी मर्जी के हिसाब से ऐप को सिस्टम में डाउनलोड कर सकेगा। इस ऐप के उपयोग करने से किसी अन्य ऐप एवं नियमों के लिए उसे मजबूर नहीं किया जाएगा। अभी जो भी मोबाइल फोन भारत में आ रहे हैं वह सब एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम पर आधारित है। फोन चालू करते हुए गूगल और कई अन्य ऐसे ऐप जो उपयोगकर्ता की जरूरत के नहीं है। वह भी उसमें इंस्टॉल होकर आते हैं। जिसके माध्यम से मोबाइल फोन के उपयोगकर्ता को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। इसके माध्यम से जासूसी और व्यापार पर एकाधिकार कायम किया जा रहा हैं। उससे बचने का कोई उपाय उपयोगकर्ता के पास नहीं होता है। भारत ने जब स्वदेशी ऐप तैयार कर लिया है ऐसी स्थिति में भारत में जो भी मोबाइल फोन बिक्री के लिए उपलब्ध होते हैं। उन सभी में स्वदेशी मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग अनिवार्य किया जाना चाहिए। सरकार को जल्द से जल्द इस संबंध में सोचना होगा। मोबाइल फोन के माध्यम से विदेशी कंपनियां भारतीय डेटा के माध्यम से भारी कमाई कर रही है। लोगों की निजता प्रभावित हो रही है। देश की सुरक्षा व्यवस्था खतरे में पड़ रही हैं। इस पर तुरंत रोक लगाने की जरुरत है। भारत सरकार एक सही दिशा और दशा की ओर बढ़ती हुई दिख रही है। भारत सरकार को अपने सॉफ्टवेयर इलेक्ट्रॉनिक एवं दूरसंचार के इंजीनियरों पर भरोसा करना चाहिए। स्वदेशी मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम आज दुनिया की बहुत बड़ी जरूरत है। भारत सरकार यदि सही दिशा में काम करें तो इससे दुनिया भर के देशों को गूगल और यू-ट्यूब जैसी संस्थाओं की दादागिरी और एकाधिकार से बचाव करते हुए भारत दुनिया में एक नया आयाम डिजिटल तकनीकि के क्षेत्र में स्थापित कर सकता है। भारत सरकार ने कभी अपने लोगों पर विश्वास नहीं किया। यही भारतीय युवा विदेशों में जाकर विदेशी कंपनियों के लिए काम करते हैं। वर्तमान स्थिति में भारत सरकार को अपनी संस्थाओं और प्रोफेशनल्स को प्रोत्साहित करना चाहिए। भारत में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिये आर्थिक मदद और उनकी खोज को प्रमाणित कर उन्हें आगे बढाने की दिशा में नीति नहीं है। भारत के राजनेताओं और नौकरशाहों को भारतीय युवाओं पर विश्वास करना सीखना होगा। डिजिटल तकनीकी में स्वदेशी को हर हालत में अनिवार्य करने और उसे सुरक्षित बनाए रखते हुए सभी देशों में उसका विस्तार करने की जरूरत है। सरकार को इस दिशा में बड़ी सोच के साथ काम करना होगा। इसमें भारत सरकार के लिए आत्मविश्वास और भरोसा करना जरूरी है।

परिचय

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 तक देश के किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। खाद्य के मूल्यों में अत्यधिक उतार - चढ़ाव, मौसमी और कम समय के लिए मूल्य वृद्धि और अनियमित मानसून को देखते हुए कृषि क्षेत्र में शामिल सभी हितधारकों के लिए एह एक कठिन चुनौती है। इसके बावजूद किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को अवश्य हासिल किया जा सकता है। खेत उत्पादकता में सुधार लाने, खेती की लागत को कम करने, अखिल भारतीय स्तर पर बाजार पहुँच को सुनिश्चित करने आदि की दिशा में सामूहिक प्रयास से इस लक्ष्य की प्राप्ति में काफी आसानी हो सकती है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। की इस लक्ष्य को हासिल करने में कंदीय फसलों की मुख्य भूमिका होगी।

कंदीय फसलों से भरपूर आमदनी

बागवानी से भरपूर आय

बागवानी क्षेत्रों में किसानों की आय को बढ़ाने की भरपूर क्षमता है। इसलिए पारंपरिक अनाजीय फसलों से उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर बदलाव करने से से भारत में किसानों की आय को दोगुनी करने की दिशा में व्यापक पैमाने पर योगदान किया जा सकेगा। बागवानी फसलों में भी विशेषत=कंदीय फसलें इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनमें अभूतपूर्व उच्च प्रति इकाई उत्पादकता पाई जाती है। हालाँकि एक सम्यक रीति में किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्पादन क्लस्टरों को इनपुट के साथ - साथ उपभोक्ता बाजारों से अच्छी तरह से जोड़ने की जरूरत है यह संदेह से परे है कि कृषि इनपुट और उत्पादन से जुड़े सूक्ष्म - लघु - छोटे तथा माध्यम स्तरीय उद्यमों की स्थापना से ग्रामीण भारत की आजीविका सुरक्षा में प्रभावी तरीके से सुधार किया जा सकता है। कंदीय फसलें ग्राम स्तर पर ही ऐसे उद्यमों को स्थापित करने के भरपूर अवसर प्रदान करती हैं। कंदीय फसल अनुसंधान पर कहीं अधिक ध्यान देने की जरूरत है, जिसमें शामिल है= गैर- पारंपरिक क्षेत्रों में इनकी खेती का विस्तार करना, कंदीय फसलों की पोषणिक एवं खाद्य सुरक्षा भूमिका का पूर्वानुमान करना, मूल्यवर्धित खाद्य, आहार एवं औद्योगिक उत्पादों का विकास करके उपयोगिता संभावनाओं को बढ़ाना, अमंग आकलन रण नीतियाँ विकसित करना, नये बाजार विकल्पों की तलाश करना, औषधीय प्रभावों वाले हर्बल उत्पादों, जैव कीटनाशकों, प्राकृतिक खाद्य रंगों का विकास करना जैसे अल्प दोहित क्षेत्रों की खोज करना आदि। प्रौद्योगिकीय प्रगति का प्रभावी तरीके सेड प्रदर्शन और प्रसार करने. उत्पादकता में और सुधार करने और ग्रामीण जनसंख्या तक लाभ पहुँचाने के लिए इन फसलों की उपयोगिता संभावनाओं का खुलासा करने में काफी मदद मिल सकती है।

कंदीय फसलों में मूल्यवर्धन

उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में न केवल खाद्य फसलों के रूप में महत्ता हासिल की है वरन इनकी आहार और कृषि आधारित उद्योगों में भी व्यापक संभावनाएं हैं। खाने - पीने की आदतों में तेजी से हो रह बदलाव और प्रति व्यक्ति आमदनी में अनुमानित बढ़ोतरी के साथ शहरी क्षेत्रों की ओर बढ़ते देशांतर से अगले 30 - 40 वर्षों में प्रसंस्करित और रेडी टू ईट (खाने के लिए तुरंत तैयार) सुविधाजनक खाद्य में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। उस परिदृश्य में कंदीय फसलों से रोग - निरोधी और चिकित्सीय कार्यशील खाद्य विकसित करने की व्यापक संभावना विद्यमान है।

आलू, कसावा, शकरकंद, जिमीकंद, कचालू, टेनिया, याम (रतालू), याम बीन, अरारोट आदि जैसी कंदीय फसलें स्टार्चयुक्त भंडारण अवयव के रूप में संशोधित जड़ अथवा तने के साथ पौधों का एक समूह बनाती हैं। इनमें कहीं अधिक जड़ें, घनकंद, राइजोम्स होते है और इनके कंदों की खुदाई आमतौर पर जमीन से नीचे की जाती है। ये फसलें अनाज एवं दाना फसली के उपरांत तीसरी सर्वाधिक महत्वपूर्ण खाद्य फसलें हैं और प्रति इकाई समय में प्रति इकाई क्षेत्रफल में उच्च शुष्क सामग्री उत्पादन के साथ खाद्य उत्पादक रूप में अपनी जैविक प्रभावशीलता के आधार पर ये फसलें अनूठी हैं। ऊर्जा उत्पादन में आलू सबसे आगे (216 मेगाजूल/हे./दिन) एवं इसके बाद क्रमशः रतालू (181 मेगाजूल/हे./दिन), शकरकंद (152 मेगाजूल/हे./दिन), तथा कसावा (121 मेगाजूल/हे./दिन) का स्थान है। कंदीय फसलें विश्व की 1/5 आबादी के लिए मुख्य अथवा सहायक खाद्य के तौर पर उष्णकटिबंधीय तथा अर्द्ध उष्णकटिबंधीय देशों में लाखों लोगों की

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

उपयोगी प्रौद्योगिकियां

ऐसे किसान जो आलू और अन्य कंदीय फसलों की खेती करते हैं, वे उपयुक्त फसल किस्म, आधुनिक उत्पादन एवं संरक्षण तकनीकें अथवा बचाव प्रौद्योगिकियों को अपनाकर अपनी फार्म आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम जैसे शोध संस्थानों द्वारा आलू और अन्य कंदीय फसलों की अधिक पैदवार देने वाली अनेक किस्में और प्रौद्योगिकियां विकसित की गई है। कुछ प्रौद्योगिकियां राज्य कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा भी विकसित की गई हैं और वे किसानों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। इन प्रौद्योगिकियों की पहुँच अभी बहुत सीमित हैं। इन्हें किसान समुदाय के बीच लोकप्रिय बनाये जाने की जरूरत है ताकि कंदीय फसलों में वर्तमान पैदावार अंतराल को कम किया जा सके। आलू और अन्य कंदीय फसलों की उत्पदकता को बढ़ाने के लिए यहाँ प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों पर जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री

अधिकांश कंदीय फसलों को तने के टूकड़ों अथवा कंद का उपयोग करके शाकीय रूप से प्रवर्धित किया जाता है। इसलिए बीज की गुणवत्ता को बनाये रखना विशेषकर इसे वायरस तथा अन्य रोगजनकों से मुक्त रखना बहुत आवश्यक होता है। भारत में आलू उत्पादकों के समक्ष गुणवत्ता आलू बीज की उपलब्धता अभी भी एक प्रमुख समस्या है। इसीलिए यह जरूरी है कि किसानों को सस्ते दामों पर अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की आपूर्ति की जाये। किसान स्वयं भी भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा विकसित की गई बीज प्लाट तकनीक का उपयोग आलू बीज उगा सकते हैं। यह प्रौद्योगिकी पिछले 50 वर्षों से भारत में आलू के उत्पादन और उत्पादकता क्षेत्र में उल्लेखनीय बढ़ोतरी में मुख्य भोमिका निभा रही है। वायरस की पहचान करने वाली उन्नत तकनीकों, पौध बचाव उपायों और सस्यविज्ञान रीतियों के साथ बीज प्लाट तकनीक का एकीकरण करने से भारत में प्रजनक बीज उत्पादन कार्यक्रम की मजबूत बुनियाद रखने को बढ़ावा मिला है। हाल ही में हाइटेक बीज उत्पादन प्रौद्योगिकियां जैसे कि ऊतक संवर्धन से तैयार लघु कंद के साथ - साथ ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी द्वारा तैयार लघु कंद का विकास किया गया हैइन इन्हें गुणवत्तायुक्त आलू बीज के उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के अंतर्गत, आलू पौधों को एक बंद अथवा संरक्षित वातावरण में उगाया जाता है और मृदा अथवा किसी अन्य समुच्य मीडियम का उपयोग किये बिना पोषण से भरपूर घोल का साथ समय - समय पर जड़ों पर छिड़काव किया जाता है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री का तेजी से गुणन होता है, जिसमें प्रति ऊतक संवर्धन पादप 35 - 60 लघुकंद उत्पन्न होते हैं। इसमें अनेक मृदा जनित रोगजनकों के आलू कंदों के साथ सम्पर्क में कमी आती है। इसके अलावा इसे ऑपरेट करना भी आसान होता है। इस प्रणाली को गौरवायविय तथा पानी की कमी वाले इलाकों में स्थापित किया जा सकता है। यह प्रौद्योगिकी अत्यधिक लागत प्रभावी है, जिसमें 10 लाख कंदों के उत्पादन के लिए 100 लाख रूपये का निवेश करने की जरूरत होती है और कोई भी उद्यमी इससे प्रति वर्ष 52 लाख रूपये तक कमा सकता है। अत=ऊतक संवर्धन और ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत में पारंपरिक बीज उत्पादन प्रणाली में क्रन्तिकारी बदलाव लाने की क्षमता है। भाकृअनुप - केंद्रीय कंदीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम द्वारा मानकीकृत मिनी सेट प्रौद्योगिकी को अपना कर उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में भी वायरसमुक्त गुणवत्ता रोपण सामग्री को विकसित किया जा सकता है।

अनाज फसलों की तुलना में कंदीय फसलों से अधिक लाभ

चावल, गेंहू और मक्का जैसे पारंपरिक अनाज फसलों की तुलना में फल व सब्जियों जैसे बागवानी फसलें कहीं अधिक लाभ प्रदान करती हैं। उच्च मूल्य वाली फसलों और उद्यमों की दिशा में कृषि गतिविधियों का विविधीकरण करना किसानों की आय को बढ़ाने में एक प्रमुख चालक बन सकता है। भारत के तीन मुख्य राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के लिए चावल व गेहूं जैसे अनाज फसलों और प्रमुख कंदीय फसल आलू में खेत की लागत और शुद्ध आय के तुलनात्मक अध्ययन को सरणी - 1 में दर्शाया गया है। यह देखा जा सकता है कि सभी चयनित राज्यों के लिए आलू की खेती की लागत चावल और गेहूं से कहीं ज्यादा है, जो कि पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा रूपये 1,08,860,30 प्रति हे. है। उत्तर प्रदेश में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय चावल और के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यादा है। पश्चिम बंगाल में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय रूपये 36,519,70 है, जो कि चावल तथा गेहूं की तुलना में लगभग तीन गुना है। बिहार में गेहूं (प्रति हे. रूपये 26,835,70) के मुकाबले आलू (प्रति हे. रूपये 32,787,00) में कहीं अधिक लाभ मिला। बिहार में किसानों के लिए धान की खेती आलू की ही तरह लाभप्रद नहीं है, क्योंकि इससे उन्हें प्रति हे. केवल रूपये 6,277,70 का कम लाभ ही मिल रहा है। अत=यह देखा जा सकता है कि पारंपरिक अनाज फसलों के मुकाबले आलू जैसी कंदीय फसल की खेती करके किसान कहीं अधिक लाभ कमा सकते हैं।

उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियां

भारत में कृषि केवल लाभ अर्जित करने वाला व्यवसाय नहीं है बल्कि यह 138 मिलियन से भी अधिक कृषिजोत पर काम करने वाले परिवारों के लिए परंपरा का हिस्सा है इनमें से 85 प्रतिशत परिवारों के पास 2 हे. से भी कम आकार वाली कृषिजोत हैं। इनमें से अधिकांश कृषिजोत का उपयोग बहु कृषि गतिविधियों यथा कृषि/बागवानी, पोल्ट्री एवं पशु पालन, मत्स्यकी, मधुमक्खी पालन रेशमा पालन तथा वानिकी में किया जाता है। इन छोटी तथा सीमांत कृषिजोत में फसलचक्र सघनता बहुत अधिक होती है। यहाँ तक कि प्राय=यह 300 प्रतिशत तक भी पहुँच जाती है।

फायदे का सौदा आलू

भारतीय समाज में आलू सर्वाधिक प्रचलित सब्जी है। देश में सब्जियों के तहत कूल कृषि में यह 21 प्रतिशत क्षेत्र में बोई जाती है और कुल सब्जी उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 25.50 प्रतिशत है। चीन के बाद भारत आलू का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और पंजाब राज्यों को शामिल करते हुए भारत के गंगा के मैदानी इलाकों में देश के कुल आलू उत्पादन का 85 प्रतिशत से भी अधिक उत्पादन होता है। वर्ष 2014 - 15 में भारत में 23.1 टन/हे. की औसत उत्पादन हुआ। लगातार बढ़ रही जनसंख्या के साथ भविष्य में भारत में आलू की खपत कई गुना बढ़ने का अनुमान है।

जल बचत

आलू सहित किसी भी फसल की खेती के लिए सिंचाई जल इ=की म=कमी प्रमुख समस्या है। आधुनिक आलू किस्में जल की कमी वाली मृदाओं के प्रति संवेदनशील होती है और उनमें बार - बार उथली सिंचाई करने की जरूरत होती है। आमतौर पर पानी की कमी फसल की बढ़वार अवधि के मध्य से पिछेती भाग में भूस्तारी अथव स्टोलन गठन और कंद की शुरूआत तथा बल्किंग के दौरान होती है। इससे पैदावार में कमी होने की आशंका रहती है। अगेती फसलें शाकीय वृद्धि के दौरान कम संवेदनशील होती हैं। फसल पकने वाले अवधि की ओर उच्चतर रिकिकरण को अपनाकर भी जल की बचत की जा सकती है ताकि फसल द्वारा अपने जड़ क्षेत्र में भंडारित उपलब्ध पूरे जल का उपयोग किया जा सके। इस क्रियाविधि अथवा रीति से परिपक्वता को भी जल्दी किया जा सकता है और शुष्क पदार्थ सामग्री को बढ़ाया जा सकता है। कुछ किस्में कंद बल्किंग के अगेती भाग में सिंचाई के प्रति कहीं बेहतर प्रतिक्रिया देती हैं, जबकि अन्य बाद वाले हिस्से में कहीं बेहतर प्रतिक्रिया को दर्शाती हैं। कम कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनके कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनेक कंदों वाली किस्मों की तुलना में जल की कमी के प्रति कम संवेदनशील होती हैं। सिंचाई के लिए सही समय का चयन करके और पौधा वृद्धि चक्र की विशिष्ट अवस्था में जल प्रयोग की उपयुक्त गहराई का प्रयोग करके आलू की फसल में जल की जरूरत को किफायती बनाया जा सकता है। अब जलमग्न अथवा बाढ़ जैसे सिंचाई की तुलना में ड्रिप एवं स्प्रिकलर विधियों के माध्यम से सटीक रूप से सिंचाई करने के लिए प्रौद्योगिकियां मौजूद हैं, जो न केवल पानी की बचत करती हैं वरन साथ ही उत्पादकता को भी बढाती हैं।

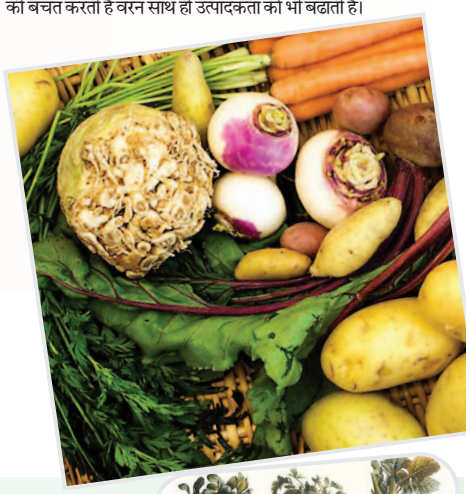

उन्नत फसलोत्तर प्रबंधन

खुदाई अथवा तुड़ाई करने के उपरांत, छिलकों के उपचार हेतु कंदों को 10 - 15 दिनों तक ढेर में रखा जाना चाहिए। यह जरूरी है की सभी क्षतिग्रस्त और सड़े हुए कंदों को हटा दिया अच्छा लाभ कमाने के लिए उत्पाद अर्थात कंदों की छटाई की जाये और उन्हें ग्रेडिंग के अनुसार जूट के थैलों में पैक किया जाए। किसान अधिक लाभ कम सकते है यदि अपने आलू को शीत भंडार में भंडारित किया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए भंडारित किये गये आलू स्वाद में मीठे नहीं होंगे और इस प्रकार इनसे कहीं अधिक मूला हासिल किये जा सकता है। यह ध्यान दिया जाये कि बीज आलू को केवल 0 - 20 सेल्सियस तापमान पर ही भंडारित किया जाये। चिप्स, फ्रेंच फ्रेंचाइज, लच्छा आदि जैसे निर्जलीकृत आलू उत्पादों को तैयार करके आलू में मूल्यवर्धन करने से भी किसानों को आकर्षक लाभ मिल सकता है। भाकृअनुप - केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में घरेलू स्तर पर मूल्य वर्धन करने की प्रौद्योगिकियां उपलब्ध हैं।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया बढ़त पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे ऊपर आकर 81.53 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। दूसरी ओर विदेशों में प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मजबूत होने से भी रुपए में बढ़त आयी है। आज अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.51 पर मजबूत खुला पर दिन के कारोबार में यह 81.50 से 81.67 के दायरे में ऊपर-नीच आने के बाद कारोबार के अंत में अपने पिछले बंद भाव से आठ पैसे बढ़कर 81.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र में बुधवार को रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ 81.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। गणतंत्र दिवस के मौके पर गुरुवार को मुद्रा बाजार बंद था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी बढ़कर 101.82 पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा भंडार 573.727 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अअनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 573.727 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। 20 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान ही यह 1.727 अरब डॉलर बढ़कर 573.727 अरब डॉलर पहुंच गया। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में यह तेजी आई है। वहीं पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 10.417 अरब डॉलर बढ़कर 572 अरब डॉलर पहुंच गया था। इससे पहले अक्टूबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया था। बीच के दौर में बीच केंद्रीय बैंक के रुपये की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से बाद में इसमें गिरावट आई थी। अक्टूबर 2022 में विदेशीमुद्रा भंडार में एक सप्ताह के दौरान 14.721 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी।

अडाणी समूह ने किसी भी सवालों का जवाब नहीं दिया: हिंडनबर्ग

नई दिल्ली । अडाणी समूह की कानूनी कार्रवाई की चेतावनी के बीच अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि वह अपनी रिपोर्ट पर पूरी तरह कायम है। उसने कहा कि हमारे पास कानूनी प्रक्रिया के दौरान मांगे जाने वाले दस्तावेजों की एक लंबी सूची है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि अडाणी समूह खुले तौर पर शेयरों में गड़बड़ी और लेखा धोखाधड़ी में शामिल रहा है। अडाणी समूह के बयान के बाद अपने जवाब में अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग ने कहा कि अडाणी समूह ने रिपोर्ट में रखे गए 88 सीधे सवालों में से किसी का भी जवाब नहीं दिया है। इससे पहले अडाणी समूह ने बयान जारी कर कहा था कि वह अपनी प्रमुख कंपनी के शेयर बिक्री को नुकसान पहुंचाने के प्रयास के तहत बिना सोचे-विचारे काम करने के लिए अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई को लेकर कानूनी विकल्पों पर गौर कर रहा है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने ट्विटर पर लिखा है कि हमें अपनी रिपोर्ट जारी किए 36 घंटे हो गए हैं लेकिन अडाणी ने एक भी मामले का जवाब नहीं दिया जिसे हमने उठाया है। अपनी रिपोर्ट के निष्कर्ष में हमने सीधे तौर पर 88 सवाल पूछे हैं। हमें भरोसा है कि ये कंपनी को पारदर्शी होने का मौका देंगे लेकिन अब तक अडाणी ने इनमें से किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया है।

डीएलएफ की पहली तीन तिमाहियों में बिक्री बुकिंग 45 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग बेहतर मांग के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों अप्रैल-दिसंबर में 45 प्रतिशत बढ़कर 6599 करोड़ रुपए रही। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी वित्त वर्ष के अपने सालाना लक्ष्य 8000 करोड़ रुपए को हासिल करने की ओर बढ़ रही है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग 2021 में इसी अवधि 4544 करोड़ रुपए थी। डीएलएफ समूह के कार्यपालक निदेशक और मुख्य व्यवसाय अधिकारी आकाश ओहरी ने कहा कि हमने इस वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में बिक्री बुकिंग में भारी उछाल देखा। यह अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों की मांग के कारण है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने विभिन्न परियोजनाएं पेश की हैं जिससे बेहतर बिक्री में मदद मिली है। डीएलएफ ने दिल्ली गुरुग्राम पंचकूला और चेन्नई में आवासीय परियोजनाएं पेश की हैं। चालू वित्त वर्ष के बिक्री लक्ष्य पर उन्होंने कहा कि हम 8000 करोड़ रुपए की बिक्री का अपना लक्ष्य पाने के लिए सही मार्ग पर हैं। हम उससे भी बेहतर कर सकते हैं लेकिन हम अपने दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं।

जोमेटो 800 पदों पर भर्ती करेगी

नई दिल्ली । ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप जोमेटो छंटनी के बाद अब फिर से कर्मचारियों की भर्ती कर रहा है लेकिन अब कंपनी को ऐसे लोग चाहिए जो 24 घंटे व सातों दिन काम कर सके और वर्क लाइफ बैलेंस को भूल जाएं। कंपनी ने कुछ दिन पहले अपने 3 फीसदी कम्रचो रियों को नौकरी से निकाल दिया था और अब नए सिरे से 800 पोस्ट पर भर्ती कर रहा है। जोमैटो में यह रिक्रूटमेंट अलग-अलग पोस्ट पर हो रहा है। जोमेटो के फाउंडर दीपिंदर गोयल ने अपने लिंक्डइन पोस्ट में खुलासा किया कि कंपनी लगभग अलग-अलग विभागों में 800 पदों पर भर्ती कर रही है लेकिन नौकरी से जुड़ी एक शर्त ने लोगों को हैरान कर दिया है। गोयल ने कंपनी में एक पोस्ट को लेकर कहा कि उम्मीदवार को वर्क लाइफ बैलेंस को भूल जाना चाहिए। गोयल चीफ ऑफ स्टाफ से लेकर सीईओ की पोस्ट के लिए भर्ती कर रहे हैं।

अडानी का 20 हजार करोड़ का एफपीओ 31 तक खुला रहेगा

नई दिल्ली । दुनिया प्रमुख कारोबो रियों में शो मिल गौतम अडानी की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) शुक्रवार को प्राइमरी बाजारों में निवेश के लिए खुल गया है और यह 31 जनवरी 2023 तक बोली लगाने के लिए खुला रहेगा। प्रमुख अडानी समूह की कंपनी का लक्ष्य अपने इस फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर से 20000 करोड़ जुटाना है। ऑफर के बारे में कंपनी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि एफपीओ की आय का उपयोग अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों के ऋण चुकाने और पूंजीगत व्यय के लिए किया जाएगा। कंपनी ने अडानी एंटरप्राइजेज एफपीओ प्राइस बैंड को 3112 रुपए से 3276 रुपए प्रति इक्विटी शेयर तय किया है जबकि अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत 3405 रुपए है। एफपीओ लगभग 5 प्रतिशत की रियायती कीमत पर उपलब्ध है। इस बीच अडानी एफपीओ को लेकर ग्रे मार्केट सेंटीमेंट सपाट रहा है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार अडानी एंटरप्राइजेज एफपीओ ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) 45 रुपए है जो बुधवार की सुबह जीएमपी 100 प्रति इक्विटी शेयर से 55 रुपए कम है।

वयस्क अनाविल संगठन द्वारा विरल देसाई को सम्मानित किया गया

सूरत भूमि,सूरत। ग्रीनमैन के नाम से मशहूर पर्यावरणविद और उद्योगपति विरल देसाई को सूरत की वयस्क अनाविल संगठन ने विशेष रूप से सम्मानित किया। पर्यावरण के क्षेत्र में विशेष कार्य के लिए विरल देसाई को वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सम्मानित किया गया।

विरल देसाई ने भी इस सम्मान को स्वीकार करते हुए काफी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'ऐसा पहली बार हो रहा है कि उन्हें बुजुर्गों के संगठन द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। इसलिए यह सम्मान उनके लिए किसी भी अन्य सम्मान से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इनके लिए यह सम्मान ही नहीं बड़ों का आशीर्वाद भी है।'

इस समारोह में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बुजुर्गों को कैसे जोड़ा जा सकता है और उनके माध्यम से वृक्षारोपण गतिविधियों को कैसे बढ़ावा दिया जा सकता है, इस पर चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष उपेंद्रभाई टी देसाई, हरीशभाई नायक, नितिनबाबू नायक, भरतभाई देसाई, दीपक वशी सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि विरल देसाई को हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। जहां वे देश भर के टेक्सटाइल क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण के मामले में अव्वल रहे।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने न्यू इनोवा क्रिस्टा की बुकिंग शुरू की

बेंगलुरु । टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज अपनी नई इनोवा क्रिस्टा की बुकिंग शुरू करने की घोषणा की । 2005 में शुरुआत के बाद से ही यह भारतीय वाहन बाजार में एक घरेलू नाम बन गया है। इसकी विश्वसनीयता, आराम, सुरक्षा, विलासिता और शक्ति के लिए सराहना प्राप्त हुई है। नई इनोवा क्रिस्टा अब एक बेहतर फ्रंट फेसिया के साथ आती है जिसे मजबूत और मजबूत उपस्थिति के लिए विशिष्ट प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है ताकि भारतीय परिवारों, व्यापारियों, कॉर्पोरेट्स और फ्लीट मालिकों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

नई इनोवा क्रिस्टा के लिए बुकिंग की शुरुआत हाल ही में लॉन्च की गई इनोवा हाईक्रॉस (गैसोलिन और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक पावरट्रेन में उपलब्ध) के बाद हुई है, जिसे अपने ग्लैमर, उन्नत तकनीक, आराम के साथ-साथ हर अवसर के लिए एक वाहन होने के नाते जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। ड्राइव करने के लिए सुरक्षा और रोमांच के साथ, अकेले या परिवार के साथ यात्रा करने के लिए उपयुक्त है। इनोवा हाईक्रॉस के लॉन्च के बाद नई इनोवा क्रिस्टा के लिए बुकिंग की शुरुआत ग्राहकों के लिए टोयोटा के बहु प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण के प्रति एक वसीयतनामा है और उन लोगों को पूरा करती है जो डीजल पावरट्रेन पसंद करते हैं।

इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग, श्री अतुल सूद ने कहा, "भारत में प्रतिष्ठित इनोवा की यात्रा 2005 में लॉन्च होने के बाद से मील के पत्थरों से भरी हुई है। एक निर्विवाद सेगमेंट लीडर होने के अलावा, यह वाहन को इसके सभी अवतारों में देश भर में काफी सराहा गया है और इसने भारतीय बाजार में टोयोटा की गुणवत्ता, स्थायित्व और विश्वसनीयता विशेषताओं को मजबूत किया है। आज जब हमने नई इनोवा क्रिस्टा डीजल की बुकिंग शुरू की है, हम अपने ग्राहकों को बताना चाहेंगे कि उनकी पसंदीदा एमपीवी अब है चार ग्रेड में उपलब्ध है। यह वाहन अपने बेजोड़ आराम और सुरक्षा के लिए प्रसिद्ध मजबूत और व्यावहारिक वाहन पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए एक आदर्श विकल्प है।

अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने महिला प्रीमियर लीग के पहले संस्करण के लिए फ्रेंचाइजी का अधिग्रहण किया

अहमदाबाद।

बहुप्रतीक्षित महिला प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण के लिए पांच टीमों की घोषणा की गई है। डायवर्सिफाइड अदाणी समूह की खेल शाखा- अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने इस लीग के लिए एक फ्रेंचाइजी का अधिग्रहण किया है। अहमदाबाद की इस टीम को गुजरात जायंट्स कहा जाएगा। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने बुधवार, 25 जनवरी को बीसीसीआई द्वारा आयोजित नीलामी में गुजरात जायंट्स टीम को 1,289 करोड़ रुपये में खरीदा। मुंबई में कई अन्य व्यावसायिक संस्थाओं के साथ-साथ सात आईपीएल फ्रेंचाइजी ने पांच महिला प्रीमियर लीग टीमों के लिए बोली लगाई। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने नीलामी में मुंबई, बेंगलुरु, नई दिल्ली और लखनऊ अधिक बोली लगाकर टीम बनाने का अधिकार हासिल किया।

अदाणी एंटरप्राइजेज के निदेशक श्री प्रणव अदानी ने कहा, "भारतीय महिला क्रिकेट टीम असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रही है। और महिलाओं के लिए एक क्रिकेट लीग उनके सशक्तिकरण और उन्हें उनकी वास्तविक क्षमता का अहसास कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्रिकेट देश के ताने-बाने का एक अविभाज्य हिस्सा रहा है और अदाणी स्पोर्ट्सलाइन महिला प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण के साथ इसके साथ अपना जुड़ाव शुरू करने की इच्छुक थी। मैं इसमें शामिल हर एक फ्रेंचाइजी को शुभकामनाएं देता हूं और साथ ही साथ उम्मीद करता हूं कि गुजरात जायंट्स इस नई, रोमांचक लीग में शीर्ष टीम के रूप में सामने आएगी।"

महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स क्रिकेट फ्रेंचाइजी अदाणी स्पोर्ट्सलाइन की सफल टीमों के परिवार में शामिल हो गई है। इस परिवार में डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 में खेलने वाली गल्फ जायंट्स और प्रो कबड्डी लीग में खेलने वाली गुजरात जायंट्स टीमें शामिल हैं।

साइकोलॉजी थ्रिलर फिल्म 'वश' 17 फरवरी, 2023 को रिलीज होगी

मानो या न मानो लेकिन दुनिया 2 अलग-अलग ताकतों का हिस्सा है, अच्छी और बुरी जब वे टकराती हैं तो क्या होता है ??? बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वश' आखिरकार 17 फरवरी, 2023 को रिलीज हो रही है।

फिल्म की स्टार कास्ट में हितु कनोडिया, हितेन कुमार, नीलम पांचाल और जानकी बोडीवाला जैसे अत्यधिक लोकप्रिय कलाकार शामिल हैं। जानकी बोडीवाला ने आखिरी दिन से अपने करियर की शुरुआत की और तंबूरे, चूले जा चक्का, नदी दोष जैसी हिट फिल्में दी हैं. नरेश कनोडिया के बेटे हितू कनोडिया ने 100 से अधिक गुजराती फिल्मों में एक बाल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू किया। हितेन कुमार की कमर्शियल हिट देश रे जोया दादा प्रदेश जगजाहिर है। वीटीवी पर कुछ शो भी होस्ट किए। नीलम पांचाल, एक भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपनी फिल्म हेलारो के लिए एक विशेष पुरस्कार जीता। हमरी को देवरानी, लाजवंती, इश्कबाज और कई अन्य फिल्मों में देखा गया था। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। फिल्म वशीकरण की अवधारणा पर आधारित है। निर्देशक कृष्णदेव याग्निक को उनकी बाद की सुपरहिट फिल्मों के लिए जाना जाता है, इसके बाद शु हू, करसंदस पे एंड यूज, नाड़ी दोष, राडो शामिल हैं। कृष्णदेव याग्निक ने इस नई तरह की फिल्म पेश करके उद्योग को विकसित करने की कोशिश की है। कल्पेश सोनी और करुणाल सोनी भी निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत कर रहे हैं। जिनके साथ कृष्णदेव याग्निक और दीपेन पटेल और निलय चोटाई का सहयोग है। इस फिल्म को दर्शकों के सामने पेश करने के लिए सभी मेकर्स बेहद उत्साहित हैं.

मारुति सुजुकी के लंबित ऑर्डर जनवरी में बढ़कर 4.05 लाख इकाई हुए

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया की कारों की मांग और बुकिंग बने होने से लंबित ऑर्डर इस महीने बढ़कर 4.05 लाख इकाई तक पहुंच गया। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हाल में पेश एसयूवी जिम्नी और फ्रॉन्क्स की बुकिंग के कारण भी लंबित ऑर्डर बढ़ गए हैं। जिम्नी की बुकिंग 11000 से पार कर गई है जबकि फ्रॉन्क्स की बुकिंग लगभग 4000 इकाई पर है। कंपनी के पास दिसंबर 2022 में समाप्त तीसरी तिमाही में 3.63 लाख वाहनों के लंबित ऑर्डर थे। इनमें से 1.19 लाख ऑर्डर बाजार में नए उतारे गए वाहनों के थे।मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री) ने बताया कि हमारे पास अभी लगभग 405000 वाहनों की बुकिंग है जो लंबित है। इसका मतलब हम बुकिंग की दर और गाड़ियों के बारे में पूछताछ बेहतर है। उन्होंने कहा कि जनवरी 2022 की तुलना में इस महीने पूछताछ 22 प्रतिशत जबकि बुकिंग 16 प्रतिशत ज्यादा है। लंबित बुकिंग कंपनी के हाल ही में पेश दो नए एसयूवी मॉडल- जिम्नी और फ्रॉन्क्स के कारण भी बढ़ गई है। इन दोनों वाहनों को इसी महीने वाहन प्रदर्शनी में पेश किया गया था।

गूगल के कर्मचारी अब नहीं करवा पाएंगे बॉडी मसाज

- कम्रचारियों की छंटनी में 27 मसाज थेरेपिस्ट भी शामिल

नई दिल्ली ।

गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के कर्मचो रियों की बहुत सी सुविधाएं छिन गई हैं। इसमें गूगल की फ्री में बॉडी मसाज का आनंद उठा रहे कर्मचारियों को अब यह सुविधा नहीं मिलेगा। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि कंपनी ने जिन कर्मचारियों को हटाने की घोषणा की है उनमें 27 मसाज थेरेपिस्ट भी शामिल हैं। इन 27 इन-हाउस मसाज थेरेपिस्ट में से गूगल के माउंटेन व्यू ऑफिस में 24 और 3 लॉस एंजिल्स और इरविन के दक्षिणी कैलिफोर्निया मार्केट्स में कार्यरत थे। गूगल के 25 साल के इतिहास में यह सबसे बड़ी छंटनी है। सीईओ सुंदर पिचाई ने एक ई-मेल में कर्मचारियों से कहा कि वे इस कंपनी के इस फैसले की पूरे जिम्मेदारी लेते हैं। पिचाई ने छंटनी के ऐलान के बाद कहा कि निकाले गए कर्मचारियों की पूरी मदद कंपनी करेगी। अमेरिका की चार सबसे बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों में छंटनी की कुल संख्या 51000 पर पहुंच गई है। इन कंपनियों ने मंदी की आशंकाओं के बीच छंटनी की है। पिछले साल नवंबर से अब तक करीब दो लाख आईटी कर्मचारियों की छंटनी की जा चुकी है। एक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तर पर कंपनियों ने 2022 में जितने कर्मचारियों को निकाला था जनवरी 2023 उसके 1 तिहाई कर्मचारियों की छंटनी कंपनियां कर चुकी हैं। अमेज़न ने अपने 28 साल के इतिहास में कर्मचारियों की सबसे बड़ी छंटनी जनवरी 2023 में की है। अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने 18000 से अधिक कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने की घोषणा की। इसी तरह माइक्रोसॉफ्ट ने अपने 10 हजार कर्मचारियों को निकालने की घोषणा भी जनवरी 2023 में की है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से गौतम अडानी का साम्राज्य हिला अरबपतियों की सूची में 7वें स्थान पर खिसके

नई दिल्ली ।

अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद गौतम अडानी की मुसीबतें बढ़ती ही जा रही हैं। शुक्रवार को अडानी ग्रुप के शेयरों में 20 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी तरफ अडानी के नेटवर्थ पर इसका बड़ा असर देखा गया है। फोर्ब्स बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक अडानी के नेटवर्थ में पिछले 24 घंटों में 17.38 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। एक ही दिन में करीबन 20 अरब डालर (1 लाख 60 हजार करोड़ रुपए) का नुकसान हुआ है। गौतम अडानी का नेटवर्थ 98.5 अरब डालर रह गया है। इसी के साथ अडानी अरबपतियों की लिस्ट में चौथे स्थान से खिसक कर सातवें पायदान पर पहुंच गए हैं। लंबे समय बाद अडानी की संपत्ति 100 अरब डालर के नीचे आई है। फोर्ब्स के रियल टाइम बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक गौतम अडानी अब दुनियाभर के अरबपतियों की लिस्ट में 7 वें नंबर पर आ गए हैं। अडानी से पहले अब बिल गेट्स 6वें स्थान वारेट बफेट 5वें और लैरी एलिसन चौथे स्थान पर आ गए हैं। इस लिस्ट में तीसरे पायदान पर अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस दूसरे नंबर पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और पहले पोजिशन पर बर्नार्ड अरनॉल्ट हैं। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की 32000 शब्दों की रिपोर्ट ने अडानी ग्रुप पर कारपोरेट दुनिया की सबसे बड़ी धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। रिपोर्ट में अडानी ग्रुप पर शेयरों को मैनीपुलेशन और अकाउंटिंग फॉड का आरोप है। हालांकि इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए अडानी समूह ने कानूनी कार्रवाई पर विचार करने की बात कही है। अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से जारी बयान में हिंडनबर्ग ने कहा है-अगर अडानी समूह रिपोर्ट के खिलाफ अमेरिका की अदालत में मुकदमा दायर करता है तो रिसर्च फर्म दस्तावेजों की मांग करेगा। अडानी समूह गंभीर है तो उसे अमेरिका में भी मुकदमा दायर करना चाहिए जहां हम काम करते हैं। कानूनी खोज प्रक्रिया में हमारे पास दस्तावेजों की एक लंबी सूची है। इस बीच खबर है कि मार्केट रेगुलेटरी सेबी ने पिछले एक साल में अडानी समूह द्वारा किए गए सौदों की जांच बढ़ा दी है। सेबी अब हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा जारी रिपोर्ट का अध्ययन करेगा और शुरुआती जांच कर सकता है। बता दें कि आज शुक्रवार को अडानी ग्रुप के सभी शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

नए विमानों के ऐतिहासिक आर्डर पूरा कर रहे है: एयर इंडिया

नई दिल्ली ।

टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया का अधिग्रहण पूरा किए जाने के एक वर्ष पूरा होने पर एयरलाइन ने शुक्रवार को कहा कि वह नए विमानों के ऐतिहासिक ऑर्डर को पूरा कर रही है। एयरलाइन के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने कहा कि विमानन क्षेत्र की कंपनी ने उल्लेखनीय प्रगति की है। एयर इंडिया 2.0 के दूसरे वर्ष में प्रवेश करने के मौके पर विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा कि आगे का रास्ता चुनौतीपूर्ण रहने वाला है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें सफलता से कहीं अधिक परिभाषित यह बात करेगी कि हमारी खामियों को लेकर हमारा रुख कैसा होता है। एयरलाइन ने अपने रूपांतरण के लिए अगले पांच साल की रूपरेखा विहान.एआई के तहत तय की है जिसमें विभिन्न कदम उठाए जाएंगे और कंपनी अपने चौड़े विमानों के बेड़े का आंतरिक स्वरूप बदलने के लिए 40 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी। हालांकि हाल के हफ्तों में कंपनी को दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में यात्रियों के खराब बर्ताव जैसी घटनाओं के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा और एयरलाइन पर विमानन क्षेत्र के नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जुर्माना भी लगाया।

एयर इंडिया ने कहा कि वह भावी वृद्धि को गति देने के लिए नए विमानों के ऐतिहासिक ऑर्डर को अंतिम रूप दे रही है। इसमें बताया गया कि एयरलाइन ने अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की खातिर विभिन्न कार्यों के लिए 1200 से अधिक पेशेवरों को अपने साथ जोड़ा है। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक विल्सन ने अपने संदेश में कहा कि बेहतरी के लिए काम करने के दौरान एयरलाइन ने एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर एशिया के विलय या विस्तारा और एयर इंडिया के विलय या नए इंफोटेक केंद्र या एविएशन एकेडमी की स्थापना जैसे अन्य महत्वकांक्षी कदम उठाने में संकोच नहीं किया है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः अजारेंका को हराकर रिबाकिना अपने दूसरे मेजर फाइनल में

मेलबर्न, मौजूदा विम्बलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना ने गुरूवार को पूर्व नंबर एक विक्टोरिया अजारेंका को 7-6(4), 6-3 से हराकर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के महिला एकल फाइनल में प्रवेश कर लिया। 22वीं सीड रिबाकिना का शनिवार को होने वाले फाइनल में पांचवीं सीड आर्यना सबालेंका और पोलैंड की माग्दा लिनेट के मुकाबले की विजेता से मुकाबला होगा। अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल खेल रही रिबाकिना को लगातार तीसरे मैच में मेजर चैंपियन का सामना करना पड़ा। 23 वर्षीय रिबाकिना ने पिछले साल की फाइनलिस्ट डेनियल कोलिन्स, विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वीयाटेक, 2019 की फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्तापेंको और दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन अजारेंका को हराकर अपने सबसे बड़े हार्ड कोर्ट फाइनल में प्रवेश कर लिया। पहला सेट टाई ब्रेक में 7-4 से जीतने के बाद दूसरे सेट में उन्होंने अजारेंका की सर्विस तोड़ी और 3-1 की बढ़त बना ली। रिबाकिना ने दूसरा ब्रेक हासिल किया और 5-2 से आगे हो गयीं। अजारेंका के छठे डबल फाल्ट ने रिबाकिना को तीन ब्रेक अंक दे दिए। अजारेंका का बैकहैंड नेट से टकराते ही विम्बलडन चैंपियन ने मुकाबला जीत लिया। रिबाकिना ने नौ एस सहित 30 विनर्स लगाते हुए एक घंटे 41 मिनट में मुकाबला जीत लिया। अजारेंका ने 26 विनर्स लगाए लेकिन 27 बेजां भूलें भी की।

त्रिकोणीय श्रृंखला में आज भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीमें होंगी आमने-सामने

ईस्ट लंदन । (एजेंसी)

भारतीय महिला क्रिकेट टीम यहां शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले त्रिकोणीय टी20 क्रिकेट श्रृंखला के मैच में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। फाइनल से पहले होने वाले इस मैच को टीम अभ्यास के तौर पर लेते हुए आक्रामक अंदाज अपनाएगी। इस सीरीज में वेस्टइंडीज के तीनों हारने से भारत और दक्षिण अफ्रीका को आसानी से फाइनल में जगह मिली है। अब अगले माह दो फरवरी को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल मुकाबला होगा। भारतीय टीम की ओर से पिछले मैच में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिलायी थी और ये जोड़ी अपने प्रदर्शन को आगे भी बरकरार रखना चाहेगी। टीम के लिए हालांकि परेशानी वाली बात यह है कि सलामी बल्लेबाज यास्तिका भाटिया अब तक पावरप्ले में तेजी से रन नहीं बना पायी हैं।

वहीं रिचा घोष के नहीं होने से भारतीय टीम को मध्यक्रम में एक 'पावर हिटर की कमी का अनुभव हो रहा है। अमनजीत कौर ने अपने पदार्पण मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और वह उसे बरकरार रखने का प्रयास करेगी। जेमिमा रोड्रिग्स अभी फार्म में नहीं है और वह इस मैच में अच्छे रन बनाकर लय हासिल करना चाहेंगी। इस मैच से हरलीन देओल पर भी बेहतर प्रदर्शन का दबाव होगा। पिछले दो मैचों में वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर फिटनेस के कारण अब तक बाहर रही हैं। अब उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में अंतिम ग्यारहमें जगह मिल सकती है। वहीं वापसी के बाद अपने पहले मैच में विकेट नहीं ले पाई गेंदबाजी शिखा पांडे इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी वापसी को सही साबित करना चाहेंगी। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम टूर्नामेंट के पहले ही मैच में भारत से हार गया थी। ऐसे में वह फाइनल से पहले होने वाले इस मैच को जीतकर खिताबी मुकाबले से पहले अपना मनोबल बढ़ाना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान) स्मृति मंधाना (उप कप्तान) यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर) जेमिमा रोड्रिग्स हरलीन देओल दीप्ति शर्मा देविका वैद्य राजेश्वरी गायकवाड़ राधा यादव रेणुका ठाकुर मेघना सिंह अंजलि सरवानी सुषमा वर्मा (विकेटकीपर) अमनजोत कौर पूजा वस्त्राकर सभिनेनी मेघना स्नेह राणा और शिखा पांडे।

दक्षिण अफ्रीका : सुने लुस (कप्तान) क्लो ट्राइटन (उपकप्तान) एनेके बॉश ताज़मिन ब्रिट्स नादिन डी क्लार्क एनेरी डक्र्सन लारा गुडॉल शबनीम इस्माइल सिनालो जाफ्ता मरिज़ैन कप्प अयाबोंगा खाका मसाबाटा क्लास टेबोगो मचेके नॉनकुलुलेको म्लाबा तुमी सेखुखुने डेल्मी टकर और लौरा वोल्वार्ड्ट।

मेरे कार्यकाल में बनी थी महिला प्रीमियर लीग की योजना : गांगुली

कोलकाता । (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग शुरु करने की योजना उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान बनायी थी और इसमें उन्हें उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला सचिव जय शाह कोषाध्यक्ष अरुण धूमल से भी सहयोग मिला था। गांगुली ने कहा है कि आने वाले समय में यह टूर्नामेंट केवल पांच टीमों तक ही सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में बहुत सारे खिलाड़ी हैं जो क्रिकेट खेलते हैं पर उनमें से आधे को ही राष्ट्रीय टीम में मौका नहीं मिलता क्योंकि प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हैं। ऐसे में महिला आईपीएल से उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का एक मंच मिलेगा। गांगुली ने कहा मैं जब बीसीसीआई का अध्यक्ष था तब मैंने उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला सचिव जय शाह कोषाध्यक्ष अरुण धूमल के साथ मिलकर महिला आईपीएल शुरु करने की योजना बनाई थी। इसे पहले ही आयोजित करने की योजना थी पर पिछले दो साल कोरोना संक्रमण के मामलों को देखते हुए इसका आयोजन

संभव नहीं हुआ था। पिछले तीन सालों में महिला क्रिकेट में काफी सुधार हुआ है। इसका श्रेय कोचों और कर्मचारियों को मिलना चाहिए। गांगुली ने इस साल होने वाले पुरुष विश्वकप क्रिकेट को लेकर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि विश्वकप तक चयनकर्ता इसी टीम को रखें। साथ ही कहा कि इस टीम को परिणाम की चिन्ता न करते हुए अपने खेल पर ध्यान देना चाहिये।

मणिका बत्रा करियर की सर्वश्रेष्ठ 33वीं रैंकिंग पर

नई दिल्ली, (एजेंसी)

भारतीय टेबल टेनिस स्टार मणिका बत्रा ताजा टेबल टेनिस रैंकिंग में तीन स्थान उठकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 33वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। मणिका ने पिछले सप्ताह डब्ल्यूटीटी कन्टेंडर दोहा में सेमीफाइनल में पहुंचने के अपने प्रदर्शन की बदौलत तीन स्थान की छलांग लगाई है। 27 वर्षीय मणिका ने पिछले वर्ष फरवरी में टॉप 50 में प्रवेश किया था और पूरे वर्ष इसी रैंकिंग के दौरान रही थीं। इस बीच सत्यन गणशेकरन एक स्थान गिरकर 40वें स्थान पर खिसक गए हैं लेकिन वह रैंकिंग में शीर्ष भारतीय बने हुए हैं। राष्ट्रीय चैंपियन अचंत शरत कमल एक स्थान उठकर लिस्ट में 46वें स्थान पर आ गए हैं .

ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताबी मुकाबला रिबाकिना और सबालेंका में होगा

मेलबर्न ।(एजेंसी)

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में शनिवार को कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना और बेलारुस की आर्यना सबालेंका के बीच महिला एकल टेनिस का खिताबी मुकाबला होगा। रिबाकिना ने इससे पहले हुए सेमीफाइनल मुकाबले में विक्टोरिया अजारेंका को 7-6(4) 6-3 से हराकर महिला एकल के फाइनल में जगह बनायी। वहीं एक अन्य सेमीफाइनल में सबालेंका ने पोलैंड की माग्दा लिनेट को 7-6(1) 6-2 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। रिबाकिना ने इस टूर्नामेंट में ईगा स्वीयाटेक जेलेना ओस्तापेंको और अजारेंका को हराकर इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनायी है। रिबाकिना ने सेमीफाइनल में पहला सेट टाई ब्रेक में 7-4 से जीतने के बाद दूसरे सेट में अजारेंका की सर्विस तोड़कर 3-1 से बढ़त बनायी। रिबाकिना ने दूसरा ब्रेक हासिल करते हुए 5-2 से बढ़त दर्ज की।

अजारेंका के छठे डबल फाल्ट से रिबाकिना को तीन ब्रेक अंक मिले। अजारेंका का बैकहैंड नेट से टकराते ही रिबाकिना ने जीत हासिल कर ली। रिबाकिना ने नौ एस सहित 30 विनर्स लगाते हुए एक घंटे 41 मिनट में मुकाबला जीत लिया। अजारेंका ने 26 विनर्स लगाए लेकिन 27 गलतियां भी कीं। वहीं सबालेंका ने लिनेट पर जीत के साथ ही अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनायी थी।

सबालेंका ने तीन सप्ताह पहले ही एडिलेड अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। वह ओपन युग में तीन या उससे ज्यादा सेमीफाइनल हारने के बाद मेजर फाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं खिलाड़ी बन गयी हैं।

संक्षिप्त समाचार

मेरा ध्यान अनुबंध की समीक्षा की जगह अगले मैच पर : रीड

राउरकेला । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के विश्वकप से बाहर होने के बाद टीम के कोच मुख्य कोच ग्राहम रीड को आशंका है कि उनके अनुबंध की समीक्षा होगी। रीड के अनुसार भले ही उनका अनुबंध साल 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक तक है पर भारतीय टीम के विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए उन्हें जिम्मेदार मानते हुए इसपर फिर विचार को सकता है। भारतीय टीम टूर्नामेंट में उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पायी और क्रॉसओवर मैच में न्यूजीलैंड से हार के साथ ही बाहर हो गयी। टूर्नामेंट में एक बार फिर पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलने में भारतीय टीम असफल साबित हुई। इसके लिए कई पूर्व खिलाड़ी कोच रीड को जिम्मेदार मानते हैं। इसी को देखते हुए रीड ने क्लासिफिकेशन मैच में टीम की जापान पर 8-0 से बड़ी जीत के बाद कहा कि उनके अनुबंध की समीक्षा हो सकती है। रीड को साल 2019 में मुख्य कोच बनाया गया था। वहीं जब रीड से पूछा गया कि क्या वह इस साल होने वाले एशियाई खेलों तक टीम के साथ बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं तो उन्होंने कहा 'मैंने पेरिस ओलंपिक तक के लिए अनुबंध किया है पर मुझे लगता है कि विश्वकप के बाद इसकी समीक्षा की जाएगी हालांकि अभी मेरा ध्यान अगले मैच पर है। साथ ही कहा कि किसी बड़े टूर्नामेंट के बाद अनुबंध की समीक्षा करना सामान्य सी बात है। भारतीय टीम अब नौवें से 12वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में शनिवार को दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। रीड ने टूर्नामेंट से बाहर होने के समय भी कोच पद छोड़ने के कोई संकेत नहीं दिये। उन्होंने तब कहा था 'इन दो क्लासिफिकेशन मैच के बाद हमें जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रो लीग के मैच खेलने हैं और फिर हमारी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला होगी लेकिन हमारा ध्यान अभी अगले मैच पर है। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने भी अभी बदलाव के कोई संकेत नहीं दिये हैं।

जडेजा ने रणजी में शानदार प्रदर्शन कर अपने इरादे जाहिर किये

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी को तैयार ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया है। जडेजा ने ग्रुप बी के बीच में सौराष्ट्र की की कप्तानी करते हुए तमिलनाडु के खिलाफ सात विकेट लेकर अपने फार्म में आने के संकेत दिये हैं। जडेजा को चोट से उबरने के बाद बीसीसीआई ने अपना फार्म और साबित करने के लिए रणजी में खेलने को कहा था। जडेजा का प्रदर्शन पहली पारी में साधारण रहा था पर दूसरी पारी में उन्होंने सात विकेट लेकर अपनी क्षमताएं दिखा दीं। 7 तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद जडेजा ने गेंद के साथ ही ट्वीट कर अपने आक्रामक इरादे जाहिर कर दिये। इस ऑलराउंडर ने ट्विटर पर उसी गेंद की तस्वीर साझा की जिससे उन्होंने 7 विकेट लिए थे। उस गेंद पर जडेजा का रिकॉर्ड लिखा हुआ है। उन्होंने 17.1 ओवर में 53 रन देकर 7 विकेट लिए। इसके साथ ही जडेजा ने लिखा 'सीजन की पहली चेरी।' इस मैच में तमिलनाडु के पहली पारी के 324 रन के जवाब में सौराष्ट्र की टीम 192 रन पर आउट हो गई थी पर जडेजा की शानदार गेंदबाजी से सौराष्ट्र ने मेजबान को दूसरी पारी में 36 .1 ओवर में 133 रन पर समेट कर मैच में वापसी की है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः सानिया मिर्जा ने उपविजेता रहकर ग्रैंड स्लैम करियर को अलविदा कहा

मेलबर्न,

भारत की टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिश्रित युगल में उपविजेता रहकर अपने ग्रैंड स्लैम करियर को अलविदा कहा। सानिया और उनके भारतीय जोड़ीदार रोहन बोपन्ना को मेलबर्न पार्क में मिश्रित युगल फाइनल में ब्राजील की जोड़ी लुईसा स्टेफनी और राफेल माटोस से हार का सामना करना पड़ा।सानिया और बोपन्ना को स्टेफनी और माटोस ने लगातार सेटों में 7-6(2), 6-2 से हराया। ब्राजीली जोड़ी अपना पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल रही थी। सानिया ने अपना पहला मेजर खिताब 2009 में मेलबर्न पार्क में महेश भूपति के साथ जोड़ी बनाकर जीता था। उन्होंने अपने शानदार ग्रैंड स्लैम करियर का समापन मेलबर्न पार्क में ही किया। सात साल बाद 2016 में सानिया ने स्विस स्टार मार्टिना हिंगिस के साथ जोड़ी बनायी और टॉप सीड खिलाड़ी के रूप में महिला युगल खिताब जीता। ऑस्ट्रेलिया के बाहर सानिया ने चार और ग्रैंड स्लैम खिताब जीते। उन्होंने हिंगिस के साथ 2015 में विम्बलडन और यूएस ओपन का खिताब जीता। उन्होंने 2012 में भूपति के साथ फ्रेंच ओपन का खिताब और 2014 में ब्रूनो सोरेस के साथ यूएस ओपन का खिताब जीता। भावुक नजर आ रही सानिया ने कहा, मेरे प्रोफेशनल करियर की शुरूआत 2005 में मेलबर्न में हुई थी जब मैं 18 साल की खिलाड़ी के रूप में तीसरे दौर में सेरेना विलियम्स से खेली।उन्होंने कहा, यह 18 साल पहले था। मेरे पास यहां बार-बार आकर खेलने और कुछ खिताब जीतने का मौका रहा। इस बार फाइनल में हम जीत नहीं पाए लेकिन अपने ग्रैंड स्लैम करियर को समाप्त करने के लिए इससे बेहतर स्थान और व्यक्ति और कोई नहीं था।सानिया ने साथ ही कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपने बच्चे के सामने ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलूंगी लेकिन यह मेरे लिए बहुत खास मौका है कि मेरा चार वर्षीय बेटा और मेरे माता-पिता तथा रोहन की पत्नी यहां हैं।बोपन्ना 2017 के फ्रेंच ओपन खिताब के बाद अपना दूसरा मिश्रित युगल खिताब चाहते थे लेकिन उपविजेता रह जाने के बाद उन्होंने सानिया की जमकर तारीफ की।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः सितसिपास पहली बार फाइनल में, नंबर एक स्थान से एक जीत दूर

मेलबर्न, (एजेंसी)

यूनान के स्टेफानोस सितसिपास ने शुक्रवार को कारेन खाचानोव के खिलाफ संघर्षपूर्ण जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहली बार प्रवेश कर लिया और अब वह नंबर एक रैंकिंग से एक जीत दूर रह गए हैं।सितसिपास ने तीन घंटे 21 मिनट तक चले मैच में 7-6(2), 6-4, 6-7(6), 6-3 से जीत हासिल की। तीसरी सीड यूनानी खिलाड़ी का रविवार के फाइनल में नौ बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच या गैर वरीय अमेरिका के टॉमी पॉल से मुकाबला होगा। दोनों खिलाड़ी 2021 के फ्रेंच ओपन के फाइनल में भी भिड़े थे जिसे जोकोविच ने पांच सेटों में जीता था। सितसिपास ने मैच के बाद ऑन कोर्ट इंटरव्यू में कहा, यही वे क्षण हैं जिनके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा था। ऐसे फाइनल में खेलना जिसका बहुत ज्यादा महत्व है, ज्यादा मायने रखता है।उन्होंने कहा, यह ग्रैंड स्लैम फाइनल है। मैं नंबर एक स्थान के लिए लड़ूंगा। यह मेरा बचपन का सपना था कि एक दिन मैं नंबर वन बनूंगा। मुझे खुशी है कि यह मौका ऑस्ट्रेलिया में आ गया है जो काफी महत्वपूर्ण स्थान है। खाचानोव ने तीसरे सेट में 5-4 के स्कोर पर मैच के लिए सर्विस कर रहे सितसिपास के प्रयास को पूरा नहीं होने दिया। उन्होंने शानदार फोरहैंड विनर्स लगाते हुए दो मैच अंक बचाये। टाई ब्रेक में लगातार चार अंक लेकर सेट जीत लिया। सितसिपास ने अगले सेट में जल्द ही 3-0 की बढ़त बना ली और सेट को 6-3 से जीतकर मैच निपटा दिया। उन्होंने अपने चौथे मैच अंक पर जीत हासिल की। खाचानोव ने तीसरे सेट में 5-4 के स्कोर पर मैच के लिए सर्विस कर रहे सितसिपास के प्रयास को पूरा नहीं होने दिया। उन्होंने शानदार फोरहैंड विनर्स लगाते हुए दो मैच अंक बचाये। टाई ब्रेक में लगातार चार अंक लेकर सेट जीत लिया।

इंडोनेशियाई ओपन से बाहर हुए लक्ष्य

जकार्ता । भारत के लक्ष्य सेन इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। लक्ष्य को पुरुष एकल के क्वार्टरफाइनल में स्थानीय खिलाड़ी जॉनथन क्रिस्टी ने हराया। क्रिस्टी ने एक घंटे से अधिक समय तक चले इस मुकाबले में शुरुआत में पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी करते हुए भारतीय खिलाड़ी को 15-21 21-10 21-13 से हराया। पहला गेम जीतने के बाद लक्ष्य दूसरे गेम में जॉनथन से हार गये। जॉनथन ने तीसरे गेम में ब्रेक तक केवल 11-9 की बढ़त ली थी पर इसके बाद उन्होंने लक्ष्य को कोई अवसर नहीं देते हुए 21-13 से गेम और मैच अपने नाम कर लिए। लक्ष्य की हार के साथ ही पुरुष एकल प्रतियोगिता में भारत की चुनौती समाप्त हो गयी है। भारत के एच एस प्रणय किदांबी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत पहले ही बाहर हो गये थे।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप

यूजीलैंड को हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

पोचेफस्ट्रूम, (एजेंसी)

लेग स्पिनर पार्शवी चोपड़ा और सलामी बल्लेबाज श्वेता सहरावत के शानदार प्रदर्शन के दम पर यहां शुक्रवार को जेबी मावे ंस ओवल में भारत पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराकर अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप के फाइनल में पहुंच गया।पहले गेंदबाजी के लिए चुने जाने पर, पार्शवी ने चार ओवरों में 3-20 के स्पेल के साथ कप्तान शेफाली वर्मा के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही ठहराया। भारत ने न्यूजीलैंड को 20 ओवरों में मात्र 107 रनों पर रोक दिया।जवाब में, श्वेता ने प्रतियोगिता में अपना तीसरा अर्धशतक लगाकर शानदार प्रदर्शन किया और 45 गेंदों में 61 रन बनाकर नाबाद रहीं और 14.2 ओवरों में लक्ष्य का पीछा किया। भारत अब इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता का इंतजार कर रहा है, यह देखने के लिए कि रविवार को फाइनल में उसका सामना किससे होगा। पहले गेंदबाजी के लिए चुने जाने पर, पार्शवी ने चार ओवरों में 3-20 के स्पेल के साथ कप्तान शेफाली वर्मा के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही ठहराया। भारत ने न्यूजीलैंड को 20 ओवरों में मात्र 107 रनों पर रोक दिया।

रूसी, बेलारूसी एथलीटों के भाग लेने पर यूक्रेन ने पेरिस ओलंपिक का बहिष्कार करने की धमकी दी

नई दिल्ली, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा रूसी और बेलारूसी एथलीटों को मेगा इवेंट में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देने के निर्णय के बाद यूक्रेन ने 2024 पेरिस ओलंपिक का बहिष्कार करने की धमकी दी है। आईओसी ने बुधवार को कहा था कि रूसी और बेलारूसी एथलीट तटस्थ एथलीटों के रूप में प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे और किसी भी तरह से अपने राज्य या अपने देश में किसी अन्य संगठन का प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे। यूक्रेन के युवा और खेल मंत्री वादिम हत्सैट ने गुरुवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमने सभी को सूचित किया है कि कार्यकारी समिति ने रूसी और बेलारूसी को अनुमति देने के मामले में पेरिस 2024 ओलंपिक के संभावित बहिष्कार पर राष्ट्रीय खेल संघों के साथ परामर्श शुरू करने का फैसला किया है। यदि रूसी और बेलारूसी एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय खेल मैदानों में लौटने की अनुमति दी जाती है। उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि सभी महासंघ, एथलीट और पूरी दुनिया अब ध्यान देगी और हमें चरम सीमा का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि रूसी एथलीटों को पेरिस ओलंपिक 2024 में हिस्सा नहीं लेना चाहिए। यूक्रेन के विदेश मामलों के मंत्री ने आईओसी के फैसले की आलोचना करते हुए कहा, आईओसी रूसी युद्ध विरामों की अवहेलना कर रहा है, यह दावा करते हुए कि किसी भी एथलीट को सिर्फ उनके पासपोर्ट के कारण प्रतिस्पर्धा करने से नहीं रोका जाना चाहिए, जबकि यूक्रेन के एथलीटों को उनके कारण रूस द्वारा मारा जाना जारी है। मैं सभी खेल हस्तियों से अपने रुख से अवगत कराने का आग्रह करता हूं।

राष्ट्रीय परेड में 'क्लीन-ग्रीन ऊर्जा युक्त गुजरात' विषय पर आधारित गुजरात की झांकी ने जीता सबका दिल

अहमदाबाद । देश भर में आज 74वां गणतंत्र दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री और गणमान्य नेतागणों ने 'राष्ट्रीय समर स्मारक'जाकर देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के शानदार स्वागत के साथ ही 'कर्तव्य पथ' पर गणतंत्र दिवस के शानदार जश्न की शुरुआत हुई। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। राष्ट्रगान के बाद सेना में अप्रतिम शौर्य का प्रदर्शन कर विभिन्न पदकों से सम्मानित सैनिकों द्वारा सलामी मंच को सलामी देने के बाद क्रमश: देश की सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाने वाली झांकियों का प्रदर्शन शुरू हुआ। उल्लेखनीय है कि मिस्र की सैन्य टुकड़ी ने भीगणतंत्र दिवस की परेड में हिस्सालिया और भारतीय जवानों के साथ कदमताल कर गौरवांवित हुई। गुजरात की 'क्लीन-ग्रीन ऊर्जा युक्त गुजरात' विषय पर आधारित सांस्कृतिक झांकी ने यहां मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया था। इस झांकी के जरिए कच्छ-मोढेरा की सांस्कृतिक झलक तथा सौर एवं पवन ऊर्जा के वैज्ञानिक व तकनीकी दृष्टिकोण का एकीकरण कर हरित और शुद्ध नवीकरणीय ऊर्जा के निर्माण के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में देश और दुनिया को नई राह दिखाने का जो सुंदर प्रयास किया गया है उसकी यहां उपस्थित सभी लोगों दिल खोलकर प्रशंसा की। गुजरात की झांकी में कच्छ में आकार ले रहे दुनिया के सबसे विशाल हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क देश का सबसे पहला 24ङ्क7 यानी चौबीसों घंटे और सातों दिन सौर ऊर्जा से चलने वाला मोढेरा गांव पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से किसानों की खुशहाली और केनाल रूफटॉप से होने वाले सौर ऊर्जा के उत्पादन को दर्शाया गया है। इसके साथ ही कच्छ की रंगबिरंगी वेशभूषा सफेद रण रण का जहाज कहा जाने वाला ऊंट परंपरागत घर- भूंगा के साथ गुजरात की संस्कृति को प्रदर्शित करते गरबा नृत्य ने झांकी में चार चांद लगा दिए थे। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस की पूर्वसंध्या यानी 25 जनवरी को अन्य राज्यों के सांस्कृतिक झांकी के कलाकारों के साथ गुजरात के कलाकारों तथा प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री से उनके निवास स्थान जाकर मुलाकात की और प्रोत्साहन प्राप्त किया। आज आयोजित हुई परेड में भारतीय सेना की विभिन्न रेजिमेंट तथा अत्याधुनिक हथियारों और साजो सामान के प्रदर्शन के साथ दुनिया ने भारत की सैन्य ताकत को देखा। इसके बाद देश की विविधता में एकता को दर्शाने वाली अलग-अलग राज्यों की 17 झांकियों सहित कुल 23 झांकियों का भी प्रदर्शन किया गया। सांस्कृतिक झांकियों के प्रदर्शन के बाद सेना के जांबाज सिपाहियों ने बुलेट पर हैरतअंगेज करतबों तथा वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने आसमान में अपनी गर्जना और प्रदर्शन से लोगों को रोमांचित कर दिया।

श्री स्वामीनारायण एच.वी. विद्यालय द्वारा खेल दिवस का आयोजन

सूरत। अड़ाजन स्थित श्री स्वामीनारायण एच.वी. विद्यालय शिक्षा बोर्ड पर ज्ञान शिक्षा और संस्कृति का त्रिवेणी संगम बन रहा है। 26 जनवरी के दिन 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यालय द्वारा नर्सरी से कक्षा 2 के बच्चों के लिए खेल दिवस का आयोजन वाइब्रेंट कैंपस, मास में आयोजित किया गया था। इस स्पोर्ट्स इवेंट में हर्डल्स, हुल्ला हूप्स, लैडर्स, टनल्स, स्नैक्स जैसे आधुनिक इक्विपमेंट्स का उपयोग किया गया था। विजेता विद्यार्थियों को गोल्ड, सिल्वर, ब्रोंज मेडल देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के संस्थापक श्री शास्त्री स्वामी श्री हरिबल्लभदास जी और संचालक श्री दिनेश भाई गोंडलिया ने बच्चों और समस्त विद्यालय परिवार को गणतंत्र दिवस तथा खेल दिवस की सफलता पर बधाई दी।

सूरत भूमि, सूरत। सुरत में पर्वत पाटिया स्थित श्रीमती एम.पी.लिलियावाला विद्याभवन स्कूल में 26 जनवरी को उत्साह से 74 वा गणतंत्र मनाया गया, गणतंत्र समारोह मे मेहमान के तौर पर माझी ड्रेनेज कमिटी के चेरमेन श्री विक्रम पाटील और,स्कूल के गुजराती, मराठी, हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के सभी आचार्य शिक्षकगण और स्कूल के कक्षा 9 से 12 तक के सभी छात्र और छात्राए और आई. एफ. आई के उंडर ट्रेनींग ऑफिसर उपस्थित रहे थे, जिसमें कक्षा 11 एवं 12 में अभ्यास करते हुए छात्र और छात्राओं ने देशभक्ति गीत गाकर वातावरण को गौरवशाली और यशस्वी बनाया था।

सूरत भूमि, सूरत। सुरत में उमरा (वेलंजा) स्थित जे वी इन्टरनेशनल स्कूल में 26 जनवरी को उत्साह से 74 वा गणतंत्र मनाया गया, गणतंत्र समारोह मे मेहमान के तौर पर स्कूल के ट्रस्टी श्री वैभव भाई और,स्कूल के गुजराती माध्यम के सभी आचार्य शिक्षकगण और स्कूल के सभी कक्षा के सभी छात्र और छात्राए और आई. एफ. आई के ट्रेनींग ऑफिसर चीफ ऑफ इंस्ट्रक्टर अतुल यज्ञिक उपस्थित रहे थे, जिसमें सभी कक्षा के अभ्यास करते हुए छात्र और छात्राओं ने कार्यक्रम मे भाग लेकर वातावरण को गौरवशाली और यशस्वी बनाया था ।

सूरत भूमि, सूरत। सूरत मे अमरोली स्थित सरदार पटेल विधा संकुल स्कूल में 26 जनवरी को उत्साह से 74 वा गणतंत्र मनाया गया, गणतंत्र समरोह मे मेहमान के तौर पर स्कूल के ट्रस्टी श्री मुकेश भाई पटेल और, स्कूल के गुजराती माध्यम और अंग्रेजी माध्यम के सभी कक्षा के सभी छात्र और छात्राऐ और आई. एफ. आई के ट्रैनिंगऑफिसर चीफ ऑफ इंट्रांकटर आरती लखतरीया उपस्थित रहे थे, जिसमे सभी कक्षा के अभ्यास करते हुए छात्र और छात्राओ ने कार्यकम मे भाग लेकर वातावरण को गौरवशाली और यशस्वी बनया था।

सूरत भूमि, सूरत।
74 वे गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2023) के अवसर पर महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल परिसर में ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन के उपाध्यक्ष श्री गिरीश मित्तल ने ध्वजारोहण किया, इस समारोह में सचिव श्री अशोक टिबड़ेवाल एवं अन्य पदाधिकारियों के अतिरिक्त अग्रवाल विकास ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री प्रमोद पोद्दार भी उपस्थित थे। ध्वजारोहण के पश्चात उपाध्यक्ष श्री गिरीश मित्तल द्वारा राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत ओजस्वी सम्बोधन किया गया जिसमे उन्होंने भारत के लोकतंत्र और संविधान के महत्व के बारे में बताने के साथ ही महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों के एकेडेमिक एवं अनेक गतिविधियों में शानदार उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट - सूरत द्वारा अग्रसेन भवन प्रांगण, सिटीलाईट पर दिनांक 26/01/2023 को प्रात: 11:00 बजे शानदार गार्ड ऑफ आनर उपरांत ध्वजबंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष संजय सरावगी, उपाध्यक्ष, प्रमोद पोद्दार, सचिव राजीव गुप्ता, सह-सचिव अनिल शोरेवाला, कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल, सह-कोषाध्यक्ष शशीभूषण जैन, पूर्व-अध्यक्षगण, कार्यक्रम संयोजक बजरंगलाल अग्रवाल सहित ट्रस्ट के अन्य गणमान्य एवं विशिष्टजन उपस्थत रहे। ध्वजबंदन के साथ सभी ने मिलकर राष्ट्रगान किया। तदुपरान्त भारतमाता के जयकारे के साथ राष्ट्रध्वज नमन किया गया।

श्री श्याम सलौने का,दरबार बसंती, श्रृंगार बसंती है...

सूरत भूमि, सूरत।
वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम का छठ्वाँ पाटोत्सव बसंत पंचमी, गुरुवार को धूम-धाम से मनाया गया । इस मौक़े पर मंदिर प्रांगण को दुल्हन की तरह तिरंगे की थीम पर सजाया गया एवं बाबा श्याम का विभिन्न क़िस्म के पीले फूलों से श्रृंगार किया गया व पीला बागा पहनाया गया ।

पटोत्सव के मौक़े पर सुबह आठ बजे से मंदिर पर पूजा विधान का आयोजन किया गया एवं दोपहर को बाबा को राजभोग, छप्पन भोग अर्पण किया गया और महाआरती की गई । इस मौक़े पर सभी भक्तों के लिए पूरे दिन महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी थी ।

शाम पाँच बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया । भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकारों के बाद कोलकाता से आमंत्रित कलाकार संजू शर्मा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी । इस दौरान उनके भजन "श्री श्याम सलौना का दरबार बसंती है... श्रृंगार बसंती है.. " पर भक्त भाव विभोर हो बाबा का गुणगान किया । देर रात तक चली भजन संध्या में हज़ारों भक्त उपस्थित रहें । पटोत्सव के अवसर पर सभी भक्तों को छप्पन भोग एवं बाबा का ख़ज़ाना का वितरण किया गया । इस अवसर पर श्री श्याम सेवा ट्रस्ट कार्यकारिणी के अनेकों सदस्य उपस्थित रहे ।

विशाल निशान एवं रथ यात्रा - ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कपीश खाटुवाला ने बताया की ट्रस्ट द्वारा विशाल निशान एवं रथ यात्रा का आयोजन पटोत्सव के अवसर पर गुरुवार को वेसू स्थित कैपिटल ग्रीन बिल्डिंग से किया गया । यात्रा बैंड-बाजा, जीवंत झाँकियाँ, सैंकड़ों निशान यात्रियों के साथ विभिन्न मार्गों से श्याम मंदिर पहुँची, जहां सभी भक्तों ने बाबा को निशान अर्पण किये । यात्रा का मार्ग में अनेकों जगह जलपान एवं पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया ।

टीएम पटेल इंटरनेशनल स्कूल द्वारा 74 वें गणतंत्र दिवस का एक उत्साहपूर्ण मनाया गया

सूरत भूमि, सूरत:
टी.एम.पटेल इंटरनेशनल स्कूल सूरत ने 74वां गणतंत्र दिवस और भारतीय नागरिक होने के गौरव को उत्सव की भावना और उल्लास के साथ मनाया। दिन की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य/निदेशक श्री के. मैक्सवेल मनोहर सर के स्वागत भाषण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम और परेड हुई।

मुख्य अतिथि डॉ. अंकित डी पटेल, गणमान्य व्यक्तियों और प्राचार्य/निदेशक श्री के मैक्सवेल मनोहर सर द्वारा भारतीय तिरंगा फहराया गया। जैसे ही छात्रों ने बड़े गर्व और उत्साह के साथ राष्ट्रगान गाया, देशभक्ति का नाद हवा में भर गया। प्रतिभावान छात्रों द्वारा रोमांचक परेड देखने के बाद दर्शकों के कुछ सदस्यों को देशभक्ति की भावना से प्रेरित किया गया।

डॉ.अंकित डी पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में श्रोताओं को संबोधित किया और छात्रों से आह्वान किया कि जब राष्ट्र रोता है तो कर्तव्य के आह्वान के लिए हमेशा जागृत रहें। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हमारे स्कूल की गायन मंडली द्वारा गाए गए उत्साही नृत्य प्रदर्शन, भाषण, कविता और देशभक्ति के गीत थे, जिसने माहौल में देशभक्ति का जोश भर दिया। यह सुखद यादों वाला एक यादगार दिन था जो जीवन भर याद रहेगा।

सूरत भूमि, सूरत। गणतंत्र दिवस के अवसर पर फर्स्ट स्टेप प्रीस्कूल के द्वारा रैली निकाली गई।

वास्तु डेरी परिवार की ओर से राष्ट्रीय ध्वज सम्मान रैली निकाली गई

सूरत भूमि, सूरत।
प्रजास्तक पर्व के शुभ अवसर पर वास्तु घी परिवार द्वारा राष्ट्रीय ध्वज सम्मान रैली का आयोजन किया गया। रैली का आयोजन ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रध्वज को न उड़ने देने की थीम के साथ किया गया। जिसमें लोग राष्ट्रीय ध्वज का आदर करते हैं, राष्ट्रीय ध्वज को सड़क पर उड़ता हुआ नहीं छोड़ते, सड़क पर फहराते हुए राष्ट्रीय ध्वज को लहराकर देशभक्ति का परिचय देते हैं, हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारी शान है, देश की शान राष्ट्रीय ध्वज को कहीं भी न फेंके , तिरंगे की गरिमा की रक्षा करना, राष्ट्रध्वज को पैरों तले रौंदना न हो, तिरंगे वाहन के टायरों को तिरंगे की गाडी के टायरों से नीचे उतारकर राष्ट्रध्वज के प्रति जागरुकता पैदा करने का प्रयास किया गया जैसे कि हम सबका दायित्व और नैतिक कर्तव्य आदि। बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और देश के राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अपनी भावनाओं को प्रदर्शित किया।

रैली श्री राधे डेयरी फार्म सरथाना जकातनाका से वीर शहीद स्मृति मेमोरियल नेचर पार्क सरथाना तक गई।राधे डेयरी फार्म के संस्थापक भूपत सुखदिया ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज को फहराकर सलामी देना हमारा कर्तव्य और देश के प्रति भावना है। लेकिन उसके बाद उस तिरंगे का सम्मान करना भी हमारा कर्तव्य और दायित्व है। ध्वजारोहण के बाद वहां तिरंगा फेंके जाने के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए तिरंगा सम्मान रैली निकाली गई। और अगले दिन सड़क पर फेंके हुए झंडे हमारे समूह द्वारा एकत्र किए जाएंगे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)